INFUSION NOTES

WHEN ONLY THE BEST WILL DO

दिल्ली पुलिस कांस्टेबल

STAFF SELECTION COMMISSION

भाग – 1

सामान्य जागरूकता (GK)

प्रस्तावना

*प्रिय पाठकों, प्रस्तुत नोट्स "**दिल्ली पुलिस कांस्टेबल** " को एक विभिन्न अपने अपने विषयों में निपुण अध्यापकों एवं सहकर्मियों की टीम के द्वारा तैयार किया गया है /*
*ये नोट्स पाठकों को **कर्मचारी चयन आयोग (SSC),** द्वारा आयोजित करायी जाने वाली परीक्षा "**दिल्ली पुलिस कांस्टेबल"** भर्ती परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगें*

अंततः सतर्क प्रयासों के बावजूद नोट्स में कुछ कमियों तथा त्रुटियों के रहने की संभावना हो सकती है / अतः आप सूचि पाठकों का सुझाव सादर आमंत्रित हैं/

प्रकाशकः

INFUSION NOTES

जयपुर, 302017 (RAJASTHAN)

मो : 9887809083

ईमेल : contact@infusionnotes.com

वेबसाइट : http://www.infusionnotes.com

Whatsapp करें - https://wa.link/8iegud

Online Order करें- https://cutt.ly/k9rmKMz

मूल्य : ₹	**संस्करण : नवीनतम**

भारत का भूगोल

1. सामान्य परिचय 1
2. भौतिक विभाजन 4
3. नदियाँ एवं झीलें 10
4. जलवायु 16
5. कृषि (agriculture) 18
6. मृदा / मिट्टी 26
7. प्राकृतिक वनस्पतियाँ 28
8. प्रमुख खनिज एवं ऊर्जा संसाधन 31
9. उद्योग (Industry) 36
10. परिवहन तंत्र 41
11. भारत की जनगणना 48
12. जनजातियाँ 51

विश्व भूगोल 52 - 99

- ब्रह्माण्ड एवं सौरमंडल
- पृथ्वी की गतियाँ

- वायुमंडल
- अन्य महत्वपूर्ण वनलाइनर तथ्य
- महाद्वीप एवं महत्वपूर्ण स्थान
- एशिया की प्रमुख नदियां
- एशिया की प्रमुख जल संधियां
- एशिया की प्रमुख झीलें
- पर्वत (Mountains) एवं पठार
- विश्व के प्रमुख महासागर और सागर

प्राचीन भारत का इतिहास

1. सिन्धु घाटी सभ्यता 100
2. वैदिक काल 103
3. बौद्ध धर्म, जैन धर्म, शैव धर्म, 108
4. महाजनपद काल 113
    - मगध साम्राज्य का उत्कर्ष
    - सिकन्दर महान
5. मौर्य काल एवं मौर्योत्तर काल 118

6. गुप्त काल एवं गुप्तोत्तर काल 122

7. प्रमुख राजवंश 125

8. कुषाण वंश एवं सातवाहन राजवंश 139

मध्यकालीन भारत

1. अरबों का सिन्ध पर आक्रमण 141

2. दिल्ली सल्तनत के प्रमुख राजवंश 143

3. भक्ति एवं सूफी आंदोलन 154

4. बहमनी एवं विजयनगर साम्राज्य 158

5. मुगल साम्राज्य (1526 - 1707 ई.) 161

आधुनिक भारत का इतिहास

1. यूरोपीय कम्पनियों का आगमन 170

2. मराठा साम्राज्य 175

3. अंग्रेजों की राजनीतिक एवं प्रशासनिक नीतियाँ 178

4. 1857 की क्रांति से पूर्व के जन आंदोलन 185

5. भारत में राष्ट्रीय जागरण या आंदोलन 190

6. गाँधी युग और असहयोग आंदोलन 194

7. क्रांतिकारी आंदोलन से आजादी तक 200

भारतीय संस्कृति

1. भारत के प्रमुख शास्त्रीय नृत्य / नर्तक 204

2. भारतीय चित्रकला 206

3. भारतीय नृत्य कलाएँ 208

4. मुगलकालीन प्रमुख इमारतें 210

5. भारत के प्रमुख मंदिर 214

भारत का संविधान

1. ऐतिहासिक पृष्ठभूमि 219

2. संविधान सभा 222

3. संविधान की विशेषताएं 224

4. भारतीय संविधान के स्त्रोत 227

5. भारतीय संविधान के भाग 228

6. संघ एवं इसका राज्य क्षेत्र 230

7. भारतीय नागरिकता 231

8. मौलिक अधिकार 232

9. नीति निदेशक तत्व 235

10. राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति 237

11. भारतीय संसद (विधायिका) 242

12. प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद 248

13. उच्चतम न्यायालय 249

14. राज्य कार्यपालिका 251

15. मुख्यमंत्री, राज्य महाधिवक्ता, राज्य विधानमंडल 253

16. उच्च न्यायालय 259

17. पंचायती राज 263

18. निर्वाचन आयोग 267

19. नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक 268

20. नीति आयोग 269

21. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग 271

22. संविधान संशोधन 272

अर्थशास्त्र

भारतीय अर्थव्यवस्था

1. अर्थशास्त्र की मूलभूत अवधारणाएँ 273

2. राष्ट्रीय आय और उत्पाद 274

3. मुद्रा एवं बैंकिंग 276

4. बजट एवं बजट निर्माण 279

5. कर (TAX) 281

6. केंद्र सरकार की योजनाएँ 282

7. गरीबी एवं बेरोजगारी 289

8. स्टॉक एक्सचेंज एवं शेयर बाजार 291

9. भारत में आर्थिक नियोजन 298

10. आर्थिक समस्याएं एवं सरकार की पहलें 299

विविध

विविध 305 - 385

- महत्वपूर्ण दिवस
- देशो की संसदों के नाम
- विश्व के प्रमुख देश, राजधानी एवं उनकी मुद्राएँ

- पुस्तक एवं लेखक
- भारत में सर्वाधिक बड़ा, लम्बा एवं ऊँचा
- विश्व में सबसे बड़ा छोटा, लम्बा तथा ऊँचा
- भारत में प्रथम पुरुष
- भारत में प्रथम महिला
- भारत का निम्न क्षेत्रों में प्रथम एवं द्वितीय स्थान
- भारत में विभिन पुरस्कार एवं सम्मानित व्यक्ति
- विश्व के प्रमुख संगठन और उनके मुख्यालय
- आविष्कार-आविष्कारक
- भारत के प्रमुख खेल
- भारत में विश्व धरोहर स्थल
- भारत के राज्यों के मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल
- भारत के राजकीय पशु, पक्षी, वृक्ष और फूल की सूची
- भारत के राष्ट्रीय उद्यान एवं अभयारण्य
- राज्यों की राजधानी और स्थापना दिवस
- राष्ट्रीय महिला नियुक्तियाँ
- अंतर्राष्ट्रीय महिला नियुक्तियाँ
- विश्व के प्रमुख कम्पनियों के सीईओ (CEOs)

- स्थलों /शहरों के परिवर्तित नाम
- भारतीय एयरलाइन्स एवं उनके प्रमुख
- इसरो (ISRO) का आगामी मिशन
- भौगोलिक संकेत (GI Tags) प्राप्त उत्पाद
- भारत का नया मंत्रिमंडल
- पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

भारत का भूगोल

अध्याय – 1
सामान्य परिचय

- भारत एशिया महाद्वीप का एक देश है, जो एशिया के दक्षिणी भाग में स्थित है तथा तीन ओर समुद्रों से घिरा हुआ है। पूरा भारत उत्तरी गोलार्द्ध में पड़ता है।
- भारत का अक्षांशीय विस्तार 8°4' उत्तरी अक्षांश से 37°6'उत्तरी अक्षांश तक है।
- भारत का देशान्तर विस्तार 68°7' पूर्वी देशान्तर से 97°25' पूर्वी देशान्तर तक है।
- भारत का क्षेत्रफल 32,87,263 वर्ग किमी. है।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से संसार में भारत का सातवाँ स्थान है। यह रूस के क्षेत्रफल का लगभग 1/5, संयुक्त राज्य अमेरिका के क्षेत्रफल का 1/3 तथा ऑस्ट्रेलिया के क्षेत्रफल का 2/5 है।
- जनसंख्या की दृष्टि से संसार में भारत का चीन के बाद दूसरा स्थान है।
- विश्व का 2.4% भूमि भारत के पास है जबकि विश्व की लगभग 17.5% (वर्ष 2011 के अनुसार) जनसंख्या भारत में रहती है।
- भारत के उत्तर में नेपाल, भूटान व चीन, दक्षिण में श्रीलंका एवं हिन्द महासागर, पूर्व में बांग्लादेश, म्यांमार एवं बंगाल की खाड़ी तथा पश्चिम में s दक्षिणतम बिन्दु - इन्दिरा प्वाइंट (ग्रेट निकोबार में है)।
  भारत का उत्तरी अन्तिम बिन्दु- इंदिरा कॉल (लद्दाख)
  हैकर्क रेखा (Tropic of Cancer) भारत के बीचों - बीच से गुजरती है ।

देश की चतुर्दिक सीमा बिन्दु	
दक्षिणतम बिन्दु- इन्दिरा प्वाइंट (ग्रेट निकोबार द्वीप) उत्तरी बिन्दु- इन्दिरा कॉल (लद्दाख) पश्चिमी बिन्दु- सर क्रीक (गुजरात) पूर्वी बिन्दु-किबिथु (अरुणाचल प्रदेश) मुख्य भूमि की दक्षिणी सीमा- कन्याकुमारी (तमिलनाडु)	
स्थलीय सीमाओं पर स्थित भारतीय राज्य	
पाकिस्तान (4)	गुजरात, राजस्थान, पंजाब, जम्मू और कश्मीर
अफगानिस्तान (1)	जम्मू और कश्मीर
चीन (5)	लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तरांखंड, सिक्किम,अरुणाचल प्रदेश
नेपाल (5)	उत्तर प्रदेश, उत्तरांखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम
भूटान (4)	सिक्किम, पश्चिम बंगाल, असम, अरुणाचल प्रदेश
बांग्लादेश (5)	पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम
म्यांमार (4)	अरुणाचल प्रदेश,नागालैण्ड, मणिपुर, मिजोरम

प्रमुख चैंनल / जलडमरूमध्य	
विभाजित स्थल खण्ड	**चैंनल/खाड़ी/स्ट्रेट**
इन्दिरा प्वाइंट-इण्डोनेशिया	ग्रेट चैंनल
लघु अंडमान-निकोबार	10°चैंनल
मिनीकॉय-लक्षद्वीप	9° चैंनल
मालदीव-मिनीकाय	8° चैंनल
भारत-श्रीलंका	मन्नार की खाड़ी
पाक की खाड़ी	पाक स्ट्रेट

- भारत के जिन राज्यों में से होकर कर्क रेखा गुजरती है वे हैं- गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, पश्चिमी बंगाल, त्रिपुरा और मिजोरम ।
- भारत को पाँच प्राकृतिक भागों में बाँटा जा सकता है ।

1. उत्तर का पर्वतीय प्रदेश
2. उत्तर का विशाल मैदान
3. दक्षिण का प्रायद्वीपीय पठार
4. समुद्री तटीय मैदान
5. थार का मरुस्थल

- भारत का मानक समय (Indian Standard Time) इलाहाबाद के पास नैनी से लिया गया है। जिसका देशान्तर 82°30 पूर्वी देशान्तर है। (वर्तमान में मिर्जापुर) यह ग्रीनविच माध्य समय (GMT) से 5 घण्टे 30 मिनट आगे है।
- भारतीय मानक समय की देशांतर रेखा (82°30) उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उड़ीसा एवं आंध्रप्रदेश से गुजरती है।
- भारत की लम्बाई उत्तर से दक्षिण तक 3214 किमी. तथा पूर्व से पश्चिमी तक 2933 किमी. है।
- भारत की समुद्री सीमा मुख्य भूमि, लक्षद्वीप और अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की तटरेखा की कुल लम्बाई 7,516.6 कि.मी है जबकि स्थलीय सीमा की लम्बाई 15,200 किमी. है। भारत की मुख्य भूमि की तटरेखा 6,100 किमी. है।

शीर्ष पाँच क्षेत्रफल वाले राज्य	
राज्य	**क्षेत्रफल वर्ग किमी.**
राजस्थान	342239
मध्यप्रदेश	308245
महाराष्ट्र	307713
उत्तर प्रदेश	240928
गुजरात	196024

शीर्ष पाँच भौगोलिक क्षेत्र वाले जिले भारत में	
जिला	**क्षेत्रफल वर्ग किमी.**
कच्छ	45652
लेह	45110
जैसलमेर	38428
बाड़मेर	28387
बीकानेर	27284

- क्षेत्रफल की दृष्टि से अण्डमान-निकोबार द्वीप समूह सबसे बड़ा केन्द्र-शासित प्रदेश है।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से लक्षद्वीप सबसे छोटा केन्द्र-शासित प्रदेश है।
- जनसंख्या की दृष्टि से दिल्ली सबसे बड़ा केन्द्र शासित प्रदेश है।
- जनसंख्या की दृष्टि से लक्षद्वीप सबसे छोटा केन्द्र शासित प्रदेश है।
- मध्य प्रदेश भारत का सबसे बड़ा पठारी राज्य है।
- मध्य प्रदेश में वन (जंगल) सबसे अधिक है।
- भारत में द्वीपों की कुल संख्या 248 है बंगाल की खाड़ी में 223 तथा अरब सागर में 25 द्वीप हैं ।
- पूर्वी घाट को कोरोमंडल तट के नाम से जाना जाता है।
- पश्चिमी घाट को मालाबार तट के नाम से जाना जाता है।

• उत्तर प्रदेश की सीमा सबसे अधिक राज्यों (8) को छूती है- उत्तरांचल, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड एवं बिहार।]
• भारत में सर्वाधिक नगरों वाला राज्य उत्तर प्रदेश है जबकि मेघालय में सबसे कम नगर हैं।

गंगा नदी तंत्र

गंगा नदी

- गंगा नदी का उद्गम् उत्तराखंड राज्य के उत्तरकाशी जिले में गोमुख के निकट गंगोत्री हिमनद से हुआ है। जहां यह भागीरथी के नाम से जानी जाती है।
- गंगा नदी की कुल लम्बाई 2525 किलोमीटर (उत्तराखंड) में 110 किलोमीटर उत्तरप्रदेश में 1450 किलोमीटर तथा बिहार में 445 km व पश्चिम बंगाल में 520 किलोमीटर) है।
- उत्तराखंड में देवप्रयाग में भागीरथी, अलकनंदा नदी से मिलती है तथा इसके बाद यह गंगा कहलाती है ।
- अलकनंदा नदी का स्त्रोत बद्रीनाथ के ऊपर सतोपथ हिमनद से हुआ है।
- अलकनंदा, धौली गंगा और विष्णु गंगा धाराओं से मिलकर बनती है, जो जोशीमठ या विष्णु प्रयाग में मिलती है ।
- भागीरथी से देव प्रयाग में मिलने से पहले अलकनंदा से कई सहायक नदियाँ आकर मिलती है।

स्थान	नदी संगम
विष्णु प्रयाग	धौलीगंगा + अलकनंदा
नंद प्रयाग	मंदाकिनी + अलकनंदा
कर्ण प्रयाग	पिंडार + अलकनंदा
रुद्रप्रयाग	मंदाकिनी + अलकनंदा
देवप्रयाग	भागीरथी + अलकनंदा

- गंगा नदी हरिद्वार (उत्तराखंड) के बाद मैदानी क्षेत्रो में प्रवेश करती है तथा अपने दक्षिण पूर्व में बहते हुए इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश) में पहुँचती है जहाँ इससे यमुना नदी (गंगा की सबसे बड़ी सहायक नदी) आकर मिलती है।
- इसके बाद यह बिहार व पश्चिम बंगाल मे प्रवेश करती है। पश्चिम बंगाल में यह दो वितरिकाओं (धाराओं) में विभाजित हो जाती है। एक धारा हुगली नदी कहलाती है जो कलकत्ता में चली जाती है तथा मुख्य धारा पश्चिम बंगाल बहती हुए बांग्लादेश में प्रवेश कर जाती है।
- बांग्लादेश में प्रवेश करने के बाद इससे ब्रह्मपुत्र नदी आकर मिलती है इसके बाद यह पदमा के नाम से जानी जाने लगती हैं ।
- अन्त में यह बंगाल की खाड़ी में अपना जल गिराती है।

- **गंगा की प्रमुख सहायक नदियाँ है** -यमुना (सबसे लम्बी सहायक नदी), रामगंगा, गोमती, घाघरा, गंडक, कोसी, महानंदा, सोन (दाहिनी तरफ से) इत्यादि।

यमुना नदी -

- इस नदी का उद्गम उत्तराखंड में बदरपूंछ श्रेणी की पश्चिमी ढाल पर स्थित यमुनोत्री हिमनद से हुआ है।
- यमुना नदी गंगा की सबसे पश्चिमी व सबसे लम्बी नदी है । जो गंगा से इलाहाबाद में आकर मिलती है।
- प्रायद्वीप पठार से निकलने वाली चंबल सिंध, बेतवा केन इसके दाहिने तट पर मिलने वाली सहायक नदियाँ है इसके बाएँ तट पर हिंडन रिंद सेंगर वरुणा आदि नदियाँ मिलती है।
- चम्बल नदी मध्यप्रदेश के मालवा पठार में महू के निकट निकलती है तथा राजस्थान के कोटा में बहते हुए उत्तरप्रदेश में यमुना से आकर मिलती है यह अपनी 'उत्खात् भूमि' (Badlond Topography) के लिए प्रसिद्ध है।

- **रामगंगा नदी**- उत्तराखण्ड में गैरसेन के निकट गढ़वाल की पहाड़ियों से निकलती है तथा कन्नौज उत्तरप्रदेश में गंगा से आकर मिल जाती है ।

- **गोमती नदी**- पीलीभीत जिलें से निकलती है तथा गाजीपुर में गंगा नदी से मिलती है। लखनऊ व जौनपुर इसी के किनारे बसे हैं ।

- **घाघरा नदी**- तिब्बत के पठार में स्थित मापचाचुंगों हिमनद से निकलती हैं तथा बाराबंकी जिला में शारदा नदी (काली गंगा) इससे आकर मिलती है। और अन्ततः यह छपरा (बिहार) में गंगा से मिलती है

- **सोन नदी**- यह मध्यप्रदेश में अमरकंटक की पहाड़ियों से निकलती है तथा पटना से पहले गंगा के दायीं तट से इससे मिल जाती हैं ।
- **गंडक नदी** – नेपाल (धौलागिरि व माउंट एवरेस्ट) से इसका उद्गम होता है तथा यह अन्ततः सोनपुर (बिहार) में गंगा से मिल जाती है ।
- इसकी सहायक नदियाँ है -काली गंडक, त्रिशूली गंगा ।
- बिहार में निर्मित त्रिवेणी नहर में गंडक नदी से पानी आता है ।

- ***कोसी नदी*** - इसका स्त्रोत तिब्बत में माउंट एवरेस्ट के उत्तर में है जहाँ से इसकी मुख्य धारा अरूण निकलती है। कोसी नदी को बिहार का शोक कहा जाता है।
- इसका संगम स्थल भागलपुर जनपद में काढ़ागोला के दक्षिण-पश्चिम में गंगा नदी में है ।
- इसकी सहायक नदियाँ है – सनकोसी, तामू कोसी, लिक्षु कोसी, तलखु, दूध कोसी, अरुण, तामुर कोसी ।
- ***ब्रह्मपुत्र नदी*** – ब्रह्मपुत्र नदी का उद्गम हिमालय के उत्तर में स्थित मानसरोवर झील के निकट चेमयांगडुंग ग्लेशियर (हिमनद) से होता है।
- तिब्बत में ब्रह्मपुत्र को सांग्पो (Tsangpo) के नाम से जाना जाता है। नामचा बरवा के निकट हिमालय को काटकर तथा "U" टर्न बनाते हुए गहरे गार्ज (महाखंड) का निर्माण करती है और दिहांग के नाम से भारत में प्रवेश करती हैं। कुछ दूर तक दक्षिण-पश्चिम दिशा में बहने के बाद इसकी दो प्रमुख सहायक नदियाँ दिवांग और लोहित इसके बाएँ किनारे पर आकर मिलती हैं। इसके बाद इस नदी को ब्रह्मपुत्र के नाम से जाना जाता है।
- इसकी अन्य सहायक नदियाँ धनसरी, सुबनसिरी, मानस, कामेग व संकोश, पगलादिया आदि हैं।
- ब्रह्मपुत्र नदी की कुल लम्बाई 2900 किमी हैं, जिसमें 916 किमी. भारत में बहती हैं।
- असम के धुबरी के निकट ब्रह्मपुत्र दक्षिण दिशा में बहती हुई बांग्लादेश में प्रवेश करती हैं। बांग्लादेश में ब्रह्मपुत्र को जमुना के नाम से जाना जाता है।
- जमुना में दाहिनी ओर से तिस्ता नदी आकर मिलती हैं। जमुना आगे जाकर पद्मा में मिल जाती है तथा पद्मा मेघना से मिलने के बाद, मेघना नाम से बंगाल की खाड़ी में गिरती है। असम घाटी में ब्रह्मपुत्र नदी गुंफित जल मार्ग बनाती है, जिसमें माजुली जैसे कुछ बड़े नदी द्वीप भी मिलते हैं।
- हिमालयी नदी तंत्र की तुलना में प्रायद्वीप नदी तंत्र अधिक पुराना है ।
- पश्चिमी घाट बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली नदियों व अरब सागर में गिरने वाली नदियों के बीच जल विभाजक का कार्य करती है ।
- प्रायद्वीपीय भारत की नदियों की प्रौढ़वस्था व नदी घाटियों का चौड़ा व उथला होना इसके प्राचीन होने का प्रमाण है ।
- प्रायद्वीपीय नदियाँ पश्चिम से पूर्व दिशा में बहती है ।
- नर्मदा एवं ताप्ती इनके विपरीत बहती हैं ।
- हिमालय के उत्थान के साथ नर्मदा व ताप्ती नदियों का भ्रंश घाटियों का निर्माण हुआ है ।

<u>प्रायद्वीपीय भारत की प्रमुख नदियाँ</u>

1. महानदी
2. गोदावरी
3. कृष्णा
4. कावेरी
5. नर्मदा
6. ताप्ती

बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली नदियाँ

महानदी –

- इसकी कुल लम्बाई लगभग 851 किलोमीटर है
- यह छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले में सिहावा के पास से निकलती हैं ।
- ओड़िशा में बहते हुए बंगाल की खाड़ी मे गिरती है
- महानदी की द्रोणी का अपवाह महाराष्ट्र छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखण्ड मध्यप्रदेश व महाराष्ट्र में है ।
- शिवनाथ मांड और ईब बाएँ तट से तथा केन दाएँ तट से मिलने वाली महानदी की प्रमुख सहायक नदी हैं ।

गोदावरी नदी –

- यह प्रायद्वीपीय भारत की सबसे लम्बी नदी (1465 किलोमीटर) है
- इसका अपवाह तंत्र प्रायद्वीपीय नदियों की तुलना में सबसे बड़ा है ।
- गोदावरी नदी नासिक महाराष्ट्र से निकलती है ।
- तेलंगाना व आंध्र मे बहते हुए राजमुंदरी के पास कई धाराओं में विभक्त होकर डेल्टा का निर्माण करती हैं।
- इसे दक्षिण गंगा तथा वृद्ध गंगा के नाम से जाना जाता है।
- इसकी द्रोणी का अपवाह महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश व मध्यप्रदेश में है
- इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ है पूर्णा पेनगंगा, वेनगंगा, इन्द्रावती (बाएँ तट से) मंजिरा (दक्षिण तट से) उड़ीसा से निकलती है व बस्तर के पठार (छत्तीसगढ़) मे बहते हुए गोदावरी से मिलती है।

- ***दामोदर नदी*** -दामोदर नदी झारखण्ड में स्थित छोटा नागपुर पठार से निकलती है तथा भ्रंश घाटी में बहते हुए पश्चिम बंगाल में बहने वाली हुगली नदी से मिलती है। बराकर दामोदर नदी की एक प्रमुख

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 9

उद्योग (Industry)

- USA की सिलिकॉन वैली सेन-फ्रांसिस्को (उत्तरी कैलीफोर्निया) में स्थित है।
- ओसाका नगर जापानी सूती वस्त्र उधोग (cotton textile industry) का प्रमुख केन्द्र है।
- सूती वस्त्र उधोग के लिए आर्द्र जलवायु तथा समुद्री समीर उपयुक्त मानी जाती हैं।
- विश्व में सूती वस्त्र उत्पादक सबसे बड़ा देश चीन है।
- रुर बेसिन (ruhr basin) जर्मनी देश का प्रसिद्ध औद्योगिक क्षेत्र है।
- ऊन (wool) का सबसे बड़ा उत्पादक देश चीन है।
- विश्व में पोटाश उर्वरक का सर्वाधिक भंडार कनाडा देश में स्थित है।

औधोगिक शहरों के उपनाम

ओधिगिक शहरों	उपनाम
गोर्की	रूस का डेट्रायट
पीथमपुर	भारत का डेट्रायट
ट्यूरिन	इटली का डेट्रायट
विंडसर	कनाडा का डेट्रायट
नागोया	जापान का डेट्रायट
शंघाई	चीन का मेनचेस्टर
अहमदाबाद	भारत का मेनचेस्टर
मिलान	इटली का मेनचेस्टर
ओसाका	जापान का मेनचेस्टर
कानपूर	उत्तर भारत का मेनचेस्टर
कोयम्बटूर	दक्षिण भारत का मेनचेस्टर
पिट्सवर्ग	विश्व की इस्पात नगरी
यावता	जापान का पीट्सबर्ग
टूला	रूस का पिट्सवर्ग
जमशेदपुर	भारत का पीट्सबर्ग
हैमिल्टन	कनाडा का बर्मिंघम

विश्व के प्रमुख औधोगिक केंद्र

देश	लौह उधोग के प्रमुख केंद्र
स.रा.अमेरिका	पीट्सबर्ग(विश्व की इस्पात राजधानी)
जापान	ओसाका, कोबे व क्योटो, नागासाकी, कावासाकी
रूस	मॉस्को, मेंग्नीटोगोसर्क, चेलियाविंस्क, टूला

देश	वस्त्र उधोग के प्रमुख केंद्र
चीन	शंघाई, केन्टन, वुहान, नानकिंग, चुगकिंग, बीजींग
ब्रिटेन	मेनचेस्टर, ब्रेडफोर्ड, डबीशायर, लीड्स
भारत	मुंबई, अहमदाबाद, कोलकाता, कोयम्बटूर, मदुरै

भारतीय उद्योग (Indian Industry)

1. **स्वतंत्रता से पूर्व भारत में स्थापित उद्योग-**

- लौह इस्पात उद्योगः- 1874 में कुल्टी (प. बंगाल) में पहला व्यवस्थित लौह इस्पात केन्द्र स्थापित किया गया।
- **एल्युमिनियम उद्योगः-** 1837 में जे.के. नगर (प. बंगाल) में पहला एल्युमिनियम उद्योग स्थापित किया गया।
- **सीमेन्ट उद्योगः-** भारत में प्रथम सीमेंट कारखाना वर्ष 1904 में गुजरात के पोरबंदर में स्थापित किया गया, परंतु सीमेंट का उत्पादन वर्ष 1904 में चेन्नई में स्थापित कारखाने में प्रारंभ हुआ।
- **रसायनिक उद्योगः-** भारत में रसायनिक उद्योग की शुरुआत 1906 में रानीपेट (तमिलनाडु) में सुपर फॉस्फेट के यंत्र के साथ हुई।
- **जहाजरानी उद्योगः-** 1941 में विशाखापट्नम में पहला जहाजरानी उद्योग लगाया गया जिसका नाम हिन्दुस्तान शिपयार्ड था।
- **सुती वस्त्र उद्योगः-** 1818 में कोलकता में प्रथम सुती वस्त्र मील की स्थापना की गई जो असफल रही। 1854 में मुंबई में प्रथम सफल सुती वस्त्र मील की स्थापना डाबर द्वारा की गई।

- **जूट उद्योगः-** जूट उद्योग की स्थापना 1854 में रिशरा (कोलकाता) में की गई ।
- **ऊनी वस्त्र उद्योगः-** भारत में पहली ऊनी वस्त्र मील की स्थापना 1876 में कानपुर में की गई ।

वर्ष 1951-52 में GDP में औद्योगिक क्षेत्र का भाग 16.6 प्रतिशत था जो कि वर्ष 2016-17 में बढ़कर 29.02 प्रतिशत हो गया तथा वर्तमान में यह लगभग 31 प्रतिशत हैं ।

भारत के प्रमुख विनिर्माण उद्योग

लौह इस्पात उद्योगः-

- वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन 2018 की रिपोर्ट के अनुसार लौह इस्पात उत्पादन में भारत चीन व अमेरिका के बाद तीसरे स्थान पर हैं ।
- 2003 के बाद से भारत स्पंज आयरन का विश्व में सबसे बड़ा उत्पादन करता हैं ।
- फरवरी 2018 से भारत कच्चे इस्पात के उत्पादन में जापान को पीछे छोड़कर दूसरे पायदान पर आ गया हैं ।
- इस उद्योग में कच्चे माल के रूप में लौह अयस्क, मैंग्नीज, चूना पत्थर, कुकिंग कोयला एवं डोलामाइट का प्रयोग किया जाता हैं ।
- 1907 में साकची, झारखण्ड में जमशेदजी टाटा द्वारा लौह इस्पात उद्योग टाटा आयरन व स्टील कंपनी (TLSCO) की स्थापना की गई । इसे भारत में आधुनिक लौह इस्पात की शुरुआत माना जाता हैं ।
- भारत में पहली बार 1874 में कुल्टी, पं.बंगाल में 'बंगाल आयरन वर्क्स' की स्थापना हुई, जो अब बंगाल लौहा व इस्पात उद्योग में बदल गया हैं ।
- 1907 में जमशेदपुर में TISCO भारत में स्थापित पहली नीजी क्षेत्र की लौह इस्पात उद्योग की इकाई बनी ।

दूसरी पंचवर्षीय योजना में लगाए गए कारखाने -

- राउरकेला (ओड़िशा):- जर्मनी के सहयोग से स्थापित (1955 में स्थापना, 1959 से उत्पादन शुरू)
- भिलाई (छत्तीसगढ़):- रूस के सहयोग से स्थापित (1955 में स्थापना, 1959 से उत्पादन शुरू)
- दुर्गापुर (प. बंगाल):- ब्रिटेन के सहयोग से स्थापित (1959 में स्थापना, 1962 से उत्पादन शुरू)

नोटः- तीसरी पंचवर्षीय योजना में रूस की सहायता से 1966 में बोकारो (झारखण्ड) में लौह इस्पात कारखाने की स्थापना की गई ।

1974 में सरकार ने स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया (SAIL) की स्थापना की तथा इसे इस्पात उद्योग के विकास की जिम्मेदारी दी गई । 'सेल' के अधीन एकीकृत इस्पात संयत्रों की संख्या अब आठ (भिलाई, दुर्गापुर, राउरकेला, बोकारो, इस्को, विश्वेश्वरैया, विशाखापट्नम एवं सलेम) हो गई है ।

सीमेंट उद्योगः-

- वर्तमान में भारत सीमेंट उत्पादन में चीन के बाद विश्व में दूसरा स्थान रखता है ।
- देश में आधुनिक सीमेंट बनाने का कारखाना 1904 में चेन्नई में शुरू हुआ ।
- यह एक भार ह्रासी उद्योग है जिसमें एक टन उत्पादन के लिए 2.02 टन कच्चे माल की आवश्यकता होती है, जिसमें 1.6 टन केवल चूना पत्थर होता हैं ।
- इसके अपशिष्ट पदार्थ स्लैग कहलाते हैं ।
- मध्य प्रदेश में चूना पत्थर के सर्वाधिक संचित भण्डार होने कारण इस उद्योग का सर्वाधिक विकास मध्य प्रदेश में हुआ हैं ।
- सीमेंट उद्योग के सर्वाधिक कारखाने आंध्रप्रदेश में हैं ।
- सीमेंट उद्योग के सर्वाधिक कारखाने आंध्रप्रदेश में हैं।

रासायनिक उर्वरक उद्योगः-

- हरित क्रांति को सफल बनाने में सबसे महत्त्वपूर्ण योगदान इसी उद्योग का रहा ।
- भारत नाइट्रोजन उत्पादकों का दूसरा सबसे बड़ा तथा फॉस्फेट उर्वरकों का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक हैं
- भारत में पोटाश उर्वरकों का उत्पादन नहीं होता है ।
- रसायनिक उर्वरकों के अन्तर्गत तीन प्रकार के उर्वरकों का उत्पादन होता हैं -
- नाइट्रोजन, फॉस्फेटिक व पोटश उर्वरक
- भारत की जलोढ़ मृदा में नाइट्रोजन की कमी के कारण यहाँ नाइट्रोजन उर्वरक की मांग व उत्पादन अधिक होता हैं ।
- भारत में मुख्यतः 2 प्रकार के उर्वरकों का उत्पादन किया जाता है -

थारु जन जाति दिवाली का त्योहार शोक के रूप में मानते हैं/
अंडमान – निकोबार द्वीप समूह पर पायी जाने वाली शोम्पेन, सेंटीनेलीज़, ओंगे, व जारवा जन जातियाँ विलुप्त की स्थिति में हैं/
उत्तराखंड की सबसे बड़ी अनुसूचित जन जाति जौनसारी हैं/
टोडा जन जाति नील गिरि की पहाड़ियों निवास करती हैं/
झूमिंग खेती करने वाली जन जाति ख़ासी हैं/
केरल में कुरुम्बा जन जाति पायी जाती हैं/
संयुक्त परिवार प्रथा थारु जन जाति से संबंधित हैं/
गारो जन जाति मेघालय के निवासी हैं/
बोड़ो जन जाति गारो पहाड़ी के निवासी हैं/
गिरिजन शब्द का प्रयोग अनुसूचित जातियों के लिए होता था जिन्हें महात्मा गांधी हरिजन शब्द से संबोधित करते थे/
सर्वप्रथम अनुसूचित जाति का प्रयोग साइमन कमीशन ने वर्ष 1927 में किया था /
अनुसूचित जन जाति के लिए आदिवासी शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग ठक्कर बप्पा ने किया जिन्हें आदिवासी के पितामह कहा जाता है/
भारतीय संविधान सभा के सदस्य जयपाल सिंह ने सर्वप्रथम आदिवासी शब्द का प्रयोग किया था/
अनुसूचित शब्द जन जाति शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम संविधान की 5 वीं अनुसूची में हुआ था /
टोडा एवं जौनसारी जन जातियाँ बहू पति विवाह की प्रथा को मानती हैं/
पुडुचेरी, दिल्ली, चंडीगढ़, हरियाणा, तथा पंजाब, राज्यों में कोई भी अनुसूचित जन जाति नही पायी जाती हैं/

विश्व भूगोल

• ब्रह्माण्ड एवं सौरमंडल

- ब्रह्मांड का अध्ययन खगोलिकी कहलाता है।
- महाविस्फोट सिद्धांत (big-bang theory) ब्रह्मांड की उत्पत्ति से संबंधित है ।
- ब्रह्मांड दिखाई पड़ने वाले समस्त आकाशीय पिंड को ब्रह्मांड कहते हैं। ब्रह्मांड विस्तारित हो रहा है ब्रह्मांड में सर्वाधिक संख्या तारों की है।

तारा

- वैसा आकाशीय पिंड जिसके पास अपनी ऊष्मा तथा प्रकाश हो तारा कहलाता है।
- तारा बनने से पहले विरल गैस का गोला होता है।
- जब ये विरल गैस केंद्रित होकर पास आ जाते हैं तो घने बादल के समान हो जाते हैं जिन्हें निहारिका कहते हैं।
- जब इन नेबुला में सलंयनविधि द्वारा दहन की क्रिया प्रारंभ हो जाती हैं तो वह तारों का रूप ले लेता है।
- तारों में हाइड्रोजन का सलंयन हिलियम में होता रहता है । तारों में ईंधन प्लाज्मा अवस्था में होता है।
- तारों का रंग उसके पृष्ठ ताप पर निर्भर करता है ।
- लाल रंग - निम्न ताप (6 हजार डिग्री सेल्सियस)
- सफेद रंग - मध्यम ताप
- नीला रंग - उच्च ताप

  तारों का भविष्य उसके प्रारंभिक द्रव्यमान पर निर्भर करता है।
- जब तारा सूर्य का ईंधन समाप्त होने लगता है तो वह लाल दानव का रूप ले लेता है और लाल दानव का आकार बड़ा होने लगता है।
- यदि लाल दानों का द्रव्यमान सूर्य के द्रव्यमान के 1.44 गुना से छोटा होता है तो वह श्वेत वामन बनेगा।

सौर मंडल

- सूर्य तथा उसके आसपास के ग्रह, उपग्रह तथा शुद्र ग्रह, धूमकेतु, उल्कापिंड उनके संयुक्त समूह को सौरमंडल कहते हैं ।
- सूर्य सौरमंडल के केंद्र में स्थित है ।
- सौरमंडल में जनक तारा के रूप में सूर्य है।
- सौर मंडल के सभी पिंड सूर्य का चक्कर लगाते हैं।

सूर्य

- यह हमारा सबसे निकटतम तारा है सूर्य सौरमंडल के बीच में स्थित है। सूर्य की आयु लगभग 15 अरब वर्ष है जिसमें से वह 5 अरब वर्ष जि चुका है।
- सूर्य के अंदर हाइड्रोजन का हिलियम में संलयन होता है और ईंधन प्लाज्मा अवस्था में रहता है।
- आंतरिक संरचना के आधार पर सूर्य को तीन भागों में बांटते हैं।

सूर्य की बाहरी परत

- सूर्य के बाहर उसकी तीन परतें हैं ।

1. **प्रकाश मंडल**

- यह सूर्य का दिखाई देने वाला भाग है इसका तापमान 6000 डिग्री सेल्सियस होता है।

2. **वरुण मंडल**

- यह बाहरी परत के आधार पर मध्य भाग है इसका तापमान 32400 डिग्री सेल्सियस होता है।

3. **(corona)**

- यह सूर्य का सबसे बाहरी परत होता है जो लपट के समान होता है इसे केवल सूर्य ग्रहण के समय देखा जाता है इसका तापमान 27lac डिग्री सेल्सियस होता है।
- सूर्य में 75% हाइड्रोजन तथा 24% हिलीयम है ।
- शेष तत्व की मात्रा 1% में ही निहित है ।
- सूर्य का द्रव्यमान पृथ्वी से 332000 गुना है ।
- सूर्य का व्यास पृथ्वी से 109 गुना है ।
- सूर्य का गुरुत्वाकर्षण पृथ्वी से 28 गुना है ।
- सूर्य का घनत्व पृथ्वी से 20 गुना है।
- सूर्य से प्रति सेकंड **10^{26}** जूल ऊर्जा निकलती है ।
- सूर्य पश्चिम से पूरब घूर्णन करता है।
- सूर्य का विषुवत रेखीय भाग 25 दिन में घूर्णन कर लेता है।
- सूर्य का ध्रुवीय भाग 31 दिन में घूर्णन कर लेता है ।

ग्रह

- वैसा आकाशीय पिंड जिसके पास ना अपनी ऊष्मा हो और ना ही अपना प्रकाश हो वह ऊष्मा तथा प्रकाश के लिए अपने निकटतम तारे पर आश्रित हो।तथा उसी का चक्कर लगाता हो प्रारंभ मे ग्रहों कि संख्या 9 थी परंतु वर्तमान में 8 ग्रह है ग्रहों का 2 श्रंणियों में बांटते हैं ।

पार्थिव

- इन्हें आंतरिक ग्रह भी कहते हैं ।
- यह पृथ्वी से समानता रखते हैं ।
- इनका घनत्व अधिक होता है तथा यह ठोस अवस्था में होते हैं ।
- इनके उपग्रह कम होते हैं या होते ही नहीं है इन ग्रहों की संख्या चार होती है।

a. बुध
b. शुक्र
c. पृथ्वी
d. मंगल

जोवियन ग्रह

- इसे बाह्य ग्रह कहते हैं। यह बृहस्पति से समानता रखते हैं ।इनका आकार बड़ा होता है किन्तु घनत्व कम होता है, यह गैस की अवस्था में पाए जाते हैं।
  इनके उपग्रहों की संख्या अधिक है।

प्लूटो

- यह नौवां ग्रह था । किन्तु 24 अगस्त 2006 को चेक गणराज्य की राजधानी प्राण में अंतरराष्ट्रीय खगोल खंड की बैठक हुई जिसमें प्लूटो को ग्रह की श्रेणी से निकालकर बोना ग्रह में डाल दिया ।
- प्लूटो को ग्रह की श्रेणी से निकालने के तीन कारण थे

1. इसका आकार अत्यधिक छोटा था
2. इसकी कक्षा दीर्घ वर्तीय नहीं थी
3. इसकी कक्षा वरुण की कक्षा को काटती थी

उपग्रह

- इनके पास ऊष्मा और प्रकाश दोनों नहीं था ।
- यह अपने निकटतम तारे से ऊष्मा और प्रकाश लेते हैं किन्तु यह चक्कर अपने निकटतम ग्रह का लगाते हैं ।

उपग्रह दो प्रकार के होते हैं

1. **प्राकृतिक उपग्रह** -चंद्रमा
2. **कृत्रिम उपग्रह** -यह मानव निर्मित होते हैं संचार तथा मौसम की भविष्यवाणी करता है।

<u>सूर्य से दूरी के अनुसार ग्रह</u>

1. बुध
2. पृथ्वी
3. बृहस्पति
4. अरुण
5. शुक्र

6. मंगल
7. शनि
8. वरुण

पृथ्वी से दूरी के अनुसार

1. शुक्र
2. मंगल
3. बुध
4. बृहस्पति
5. शनि
6. अरुण
7. वरुण

आकार के अनुसार ग्रह

1. बृहस्पति
2. शनि
3. अरुण
4. वरुण
5. पृथ्वी
6. शुक्र
7. मंगल
8. बुध

आंखों से हम पांच ग्रहों को देख सकते हैं ।

1. बुध
2. शुक्र
3. मंगल
4. बृहस्पति
5. शनि

उल्टा घूमने वाले ग्रह पूरब से पश्चिम

- शुक्र तथा अरुण
- सर्वाधिक घनत्व पृथ्वी का तथा कम घनत्व शनि का ।
- सबसे बड़ा उपग्रह बृहस्पति का गेनीमेड और सबसे छोटा उपग्रह मंगल का डिवोर्स है ।
- सबसे तेज घूर्णन बृहस्पति सबसे धीमा घूर्णन शुक्र 249 दिन ।
- सबसे तेज परिक्रमण वर्ष की अवधि बुध 88 दिन सबसे धीमा शुक्र 164 साल।
- सबसे गर्म ग्रह शुक्र सबसे ठंडा ग्रह अरुण वरुण है।

Gold lock zone

- अंतरिक्ष का वह स्थान जहां जीवन की संभावना पाई जाती है उसे गोल्डी लॉक्स जोन कहते हैं ।
- केवल पृथ्वी पर जीवन संभव है ।
- मंगल पर इसकी संभावना है ।
- जीवन की उत्पत्ति के लिए कपास का पौधा अंतरिक्ष पर भेजा गया ।

बुध ग्रह (मरकरी)

- इसका नामकरण रोमन संदेशवाहक देवता के नाम पर हुआ है ।
- इस ग्रह का वायुमंडल नहीं है किन्तु बहुत ही कम मात्रा में वहां ऑक्सीजन पाई जाती है ।
- वायुमंडल ना होने के कारण यह ऊष्मा को रोक नहीं पाता है । जिस कारण दिन में इसका तापमान 420 डिग्री सेल्सियस तथा रात को -180 डिग्री सेल्सियस तापमान हो जाता है अर्थात इस ग्रह पर सर्वाधिक तापांतर 600 डिग्री सेल्सियस का देखा जाता है अतः यहां जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है ।
- वायुमंडल ना होने के कारण इस ग्रह पर सर्वाधिक उल्का पात हुआ है ।
- सबसे बड़ा क्रेटर कोरोलिस बेलिस है ।

शुक्र

- इस ग्रह पर सर्वाधिक मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड पाया जाता है ।
- यह सूर्य से आने वाली सभी ऊष्मा को अवशोषित कर लेता है
- इसे सबसे गर्म तथा चमकीला ग्रह कहते है ।
- इसे सौरमंडल की परी कहते हैं
- इस पर प्रेशर कुकर के समान स्थिति पाई जाती है जिस कारण इसे दम घुटने वाला कहते हैं ।
- यह पृथ्वी से समानता रखता है अतः इसे पृथ्वी का सहोदर ,भगिनी ,जुड़वा बहन कहते हैं ।
- यह अपने अक्ष पर उल्टा अर्थात पूर्व से पश्चिम घूमता है जिस कारण यहां सूर्योदय पश्चिम में होता है ।
- यह अपने अक्ष पर 243 दिन में घूर्णन कर लेता है । जबकि सूर्य का परिक्रमण 224 दिन में पूरा करता है ।
- अर्थात इस ग्रह का घूर्णन और परिक्रमण समान है।
- अर्थात इस ग्रह पर एक दिन 1 वर्ष के बराबर होगा ।
- बुध तथा शुक्र के पास उपग्रह नहीं है इसके उपग्रह को सूर्य खींच लेता है।

- **एशिया की प्रमुख झीलें**

झील	देश	विशेषताएं
कैस्पियन झील	अज़रबैजान, ईरान,कजाखस्तान, तुर्कमेनिस्तान, रूस	• एशिया-यूरोप महाद्वीप की विभाजक होने के साथ विश्व की सबसे बड़ी झील है। • इसमें वोल्गा और युराल जैसी प्रमुख नदियों का मुहाना है।
बाल्खस झील	कजाखस्तान	• यह खारे पानी की झील है।
पेंगोंग झील	भारत,चीन	• रामसर कन्वेंशन के तहत इसे मान्यता प्राप्त है। • भारत और चीन के मध्य वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) यहीं से गुजरती है।
टोनले सप झील	कंबोडिया	• यह दक्षिण- पूर्व एशिया की एक महत्वपूर्ण झील है।
वान झील	तुर्की	• यह विश्व की सर्वाधिक खारे पानी की झील है।
बैकाल झील	रूस	• विश्व की सबसे गहरी झील • यहीं से लीना व अगारा नदियों का उद्गम होता है।
अरल सागर	कजाखस्तान एवं उज़्बेकिस्तान	• आमू दरिया और सिर दरिया नदियाँ इसी झील में गिरती हैं।
लोपनूर झील	चीन	• चीन के तारीम बेसिन में स्थित है। • यह खारे पानी की झील है।
टोबा झील	इंडोनेशिया	• 'क्रेटर झील' का उदाहरण है। • मीठे पानी की झील है।

एशिया के मरुस्थल व मैदान

मरुस्थल का मैदान	विशेषताएं
रूब-अल-खाली मरुस्थल (दक्षिण-पूर्व अरब प्रायद्वीप)	• यह विश्व का सबसे बड़ा बालू निर्मित मरुभूमि क्षेत्र है। यह सऊदी अरब में स्थित है। • यह एक निवास विहीन क्षेत्र है।
अन-नफूद मरुस्थल	• सऊदी अरब में स्थित गर्म मरुस्थल
दस्त-ए-कबीर मरुस्थल	• ईरान में स्थित है। • इसे 'ग्रेट साल्ट डेजर्ट' भी कहते हैं।

दस्त-ए-लूट मरुस्थल	• यह पूर्वी ईरान में स्थित मरुस्थल हैं।
गोबी मरुस्थल	• इसका विस्तार मंगोलिया व चीन में है। • यह एशिया के बड़े मरुस्थल में से एक है। • यह ठंडा मरुस्थल है।
तकला मकान मरुस्थल	• यह चीन के उत्तर-पश्चिम क्षेत्र 'सिक्यांग' में स्थित हैं।
मंचूरिया का मैदान	• अमूर नदी एवं उसकी सहायक नदी द्वारा निर्मित यह मैदान चीन में स्थित हैं।
तूरान का मैदान	• आमू दरिया व सीर दरिया नदियों द्वारा निर्मित मैदान हैं। • इसका विस्तार तुर्कमेनिस्तान, उज्बेकिस्तान एवं कजाखस्तान में हैं।

<u>यूरोपीय महाद्वीप की प्रमुख नदियां</u>

नदी	प्रवाहित राज्य	विशेषताएं
यूराल नदी	रूस, कजाकिस्तान	• उद्गम स्थान - यूराल पर्वत • मुहाना - कैस्पियन सागर • यह यूरोप व एशिया की सीमा बनाती है। • यह यूरोप की तीसरी सबसे बड़ी नदी है।
वोल्गा नदी	रूस	• उद्गम स्थान - वाल्दे पहाड़ी • मुहाना - कैस्पियन सागर • यह यूरोप की सबसे लंबी नदी है।
विस्तुला	पोलैंड	• मुहाना - बाल्टिक सागर • यह पोलैंड की सबसे लंबी व बड़ी नदि है। • वॉरसा (पोलैंड की राजधानी) एवं क्रकॉउ इसके तट पर स्थित शहर हैं। • वस्त्र उद्योग का विकास होने के कारण ' लॉड्ज़' को पोलैंड का मैनचेस्टर कहा जाता है।
एल्बे	जर्मनी,चेक गणराज्य	• मुहाना - उत्तरी सागर • इसके मुहाने पर जर्मनी का हैंबर्ग शहर (बंदरगाह)स्थित है। • इसके तट पर स्थित जर्मनी का ड्रेसडेन शहर चीनी मिट्टी के उत्पादन हेतु प्रसिद्ध है।
स्प्री	जर्मनी	• एल्बे की सहायक नदी हैं। इसके तट पर जर्मनी की राजधानी बर्लिन स्थित हैं।
राइन नदी	स्विजरलैंड, जर्मनी,	• उद्गम स्थान- अल्पस पर्वत

मंडल
- इसका प्रमुख प्रदेष्टा कहलाता था।

स्थानीय

800 ग्रामों का समूह

द्रोणमुख
- 400 ग्रामों का समूह

खार्वटिक
- 200 ग्रामों का समूह

संग्रहण
- 100 ग्रामों का समूह

ग्राम
- ग्राम का प्रमुख ग्रामणी

अध्याय – 6

गुप्त काल एवं गुप्तोत्तर काल

- मौर्य वंश के पतन के पश्चात् नष्ट हुई राजनीतिक एकता को पुनः स्थापित करने का श्रेय गुप्त वंश को है।

गुप्त वंश की उत्पत्ति
- चन्द्रगुप्त द्वितीय की पुत्री प्रभावती गुप्त ने पूना अभिलेख में अपने वंश को स्पष्टतः धारण गोत्रीय बताया हैं अग्रवालों के 18 गोत्र में से एक गोत्र धारण हैं।
- गुप्त वैश्यों की उपाधि है। आज भी धार्मिक कर्म व संकल्प करते हुए वैश्य पुरोहित नाम व गोत्र के साथ गुप्त उपनाम का उल्लेख करते हैं।
- गुप्त शासकों के नाम श्री, चन्द्र, समुद्र, स्कन्द आदि थे जबकि गुप्त उनका उपनाम था। जो की उनके वर्ण व जाति को उद्घोषित करता है।
- गुप्त वंश के शासक अग्रवाल थे। प्रख्यात इतिहासकार राहुल संस्क्रतायन ने भी गुप्त वंश को अग्रवाल वैश्य बताया है।
- अग्रवालों की कुलदेवी माता लक्ष्मी है। गुप्त सम्राटों की कुलदेवी भी माता लक्ष्मी है।
- गुप्त वंश के समय में भारत सोने की चिड़ियाँ कहलाया था।

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

गुप्त वंश के शासक

श्रीगुप्त (240 ई. - 280 ई.)
- गुप्त साम्राज्य का उदय तीसरी शताब्दी के अंत में प्रयाग के निकट कौशाम्बी में हुआ गुप्त वंश का संस्थापक श्रीगुप्त था।

घटोत्कच (320)
- गुप्त वंश के शासक श्रीगुप्त के पश्चात् उसका पुत्र घटोत्कच राजगद्दी पर बैठा। इसने 280 ई. से 320 ई. तक शासन किया।
- इसने महाराजा की उपाधि धारण की थी। उत्पन्न होते समय उसके सिर पर केश (उत्कच) न होने के कारण उसका नाम घटोत्कच रखा गया।

चन्द्रगुप्त प्रथम (320-335 ई.)
- अपने पिता घटोत्कच के बाद सन् 320 में चन्द्रगुप्त प्रथम राजा बना। चन्द्रगुप्त, गुप्त वंशावली में पहला स्वतन्त्र शासक था।

- इसने महाराजाधिराज की उपाधि धारण की थी । बाद में लिच्छवि राजकुमारी कुमार देवी से विवाह किया और अपने साम्राज्य में सम्मिलित कर लिया।

समुद्रगुप्त (335 -375)

प्रथम के बाद 335 ई. में उसका तथा कुमारदेवी का पुत्र **समुद्रगुप्त** राजगद्दी पर बैठा।

- सम्पूर्ण प्राचीन भारतीय इतिहास में महानतम शासकों के रूप में वह नामित किया जाता है। इन्हें परक्रमांक कहा गया है।
- समुद्रगुप्त का शासनकाल राजनैतिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से गुप्त साम्राज्य के उत्कर्ष का काल माना जाता है। इस साम्राज्य की राजधानी पाटलिपुत्र थी। समुद्रगुप्त ने 'महाराजाधिराज' की उपाधि धारण की।
- समुद्रगुप्त एक असाधारण सैनिक योग्यता वाला महान विजित सम्राट था। विन्सेट स्मिथ ने इन्हें नेपोलियन की उपाधि दी।
- समुद्र गुप्त विष्णु का उपासक था ।
- उसका सबसे महत्वपूर्ण अभियान दक्षिण की तरफ़ (दक्षिणापथ) था। इसमें उसके बारह विजयों का उल्लेख मिलता है।
- उसका देहान्त 375 ई. में हुआ जिसके बाद उसका पुत्र चन्द्रगुप्त द्वितीय राजा बना।
- चन्द्रगुप्त द्वितीय इसने प्रसिद्ध बौद्ध विद्वान वसुबन्धु को अपना मंत्री नियुक्त किया था।
- हरिषेण, समुद्रगुप्त का मंत्री एवं दरबारी कवि था। हरिषेण द्वारा रचित प्रयाग प्रशस्ति से समुद्रगुप्त के राज्यारोहण, विजय, साम्राज्य विस्तार के सम्बन्ध में सटीक जानकारी प्राप्त होती है।
- काव्यालंकार सूत्र में समुद्रगुप्त का नाम 'चन्द्रप्रकाश' मिलता है।

- **समुद्रगुप्त का साम्राज्य**- समुद्रगुप्त ने एक विशाल साम्राज्य का निर्माण किया जो उत्तर में हिमालय से लेकर दक्षिण में विन्ध्य पर्वत तक तथा पूर्व में बंगाल की खाड़ी से पश्चिम में पूर्वी मालवा तक विस्तृत था। कश्मीर, पश्चिमी पंजाब, पश्चिमी राजस्थान, सिन्ध तथा गुजरात को छोड़कर समस्त उत्तर भारत इसमें सम्मिलित थे।
- परमभागवत की उपाधि धारण करने वाला प्रथम गुप्त शासक समुद्र गुप्त था ।

चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य (375 -415 ई.)

- चन्द्रगुप्त द्वितीय 375 ई. में सिंहासन पर आसीन हुआ। वह समुद्रगुप्त की प्रधान महिषी दत्तदेवी से हुआ था। वह विक्रमादित्य के नाम से इतिहास में प्रसिद्ध हुआ।
- चन्द्रगुप्त द्वितीय का अन्य नाम देव, देवगुप्त, देवराज, देवश्री आदि हैं।
- उसने विक्रमांक, विक्रमादित्य, परम भागवत आदि उपाधियाँ धारण की।
- उसने नागवंश, वाकाटक और कदम्ब राजवंश के साथ वैवाहिक सम्बन्ध स्थापित किये।
- चन्द्रगुप्त द्वितीय ने नाग राजकुमारी कुबेर नागा के साथ विवाह किया जिससे एक कन्या प्रभावती गुप्त पैदा हुई।
- वाकाटकों का सहयोग पाने के लिए चन्द्रगुप्त ने अपनी पुत्री प्रभावती गुप्त का विवाह वाकाटक नरेश रुद्रसेन द्वितीय के साथ कर दिया।
- कदम्ब राजवंश का शासन कुंतल (कर्नाटक) में था। चन्द्रगुप्त के पुत्र कुमारगुप्त प्रथम का विवाह कदम्ब वंश में हुआ।
- चन्द्रगुप्त द्वितीय के शासनकाल में चीनी बौद्ध यात्री फाह्यान ने 399 ईस्वी से 414 ईस्वी तक भारत की यात्रा की।
- उसने भारत का वर्णन एक सुखी और समृद्ध देश के रूप में किया। चन्द्रगुप्त द्वितीय के शासनकाल को स्वर्ण युग भी कहा गया है।
- शाब चन्द्रगुप्त द्वितीय का राज कवि था । चन्द्रगुप्त द्वितीय के समय में पाटलिपुत्र एवं उज्जयनी विधा के प्रमुख केंद्र थे ।
- चन्द्रगुप्त द्वितीय के शासन काल में उसकी प्रथम राजधानी पाटलिपुत्र और द्वितीय राजधानी उज्जयिनी थी।
- चन्द्रगुप्त द्वितीय का काल कला-साहित्य का स्वर्ण युग कहा जाता है। उसके दरबार में विद्वानों एवं कलाकारों को आश्रय प्राप्त था।
- उसके दरबार में नौ रत्न थे- कालिदास, धन्वन्तरि, क्षपणक, अमरसिंह, शंकु, बेताल भट्ट, घटकर्पर, वाराहमिहिर, वररुचि, आर्यभट्ट, विशाखदत्त, शूद्रक, ब्रह्मगुप्त, विष्णुशर्मा और भास्कराचार्य उल्लेखनीय थे। ब्रह्मगुप्त ने ब्रह्मसिद्धान्त प्रतिपादित किया जिसे बाद में न्यूटन ने गुरुत्वाकर्षण के नाम से प्रतिपादित किया।

कुमारगुप्त (415 – 455 ई.)

- चन्द्र गुप्त द्वितीय की मृत्यु के बाद कुमारगुप्त प्रथम सन् 415 में राजा बना।

- अपने दादा समुद्रगुप्त की तरह उसने भी अश्वमेघ यज्ञ के सिक्के जारी किये।
- उस समय के अभिलेखों या मुद्राओं से पता चलता है कि उसने अनेक उपाधियाँ जैसे महेन्द्र कुमार, श्री महेन्द्र, श्री महेन्द्र सिंह, महेन्द्रा दिव्य आदि उपाधि धारण की थी।
- कुमारगुप्त के शासनकाल में नालन्दा विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी।

स्कन्दगुप्त (455-467 ई.)

- 455 में पुष्यमित्र के आक्रमण के समय ही गुप्त शासक कुमारगुप्त प्रथम की मृत्यु होने पर उसका पुत्र स्कन्दगुप्त सिंहासन पर बैठा।
- स्कन्दगुप्त गुप्त वंश का अंतिम महत्वपूर्ण शासक था।
- स्कन्दगुप्त ने विक्रमादित्य, क्रमादित्य आदि उपाधियाँ धारण की ।
- स्कन्दगुप्त ने इसने सौ राजाओं के स्वामी की भी उपाधि धारण की।
- स्कन्दगुप्त ने गिरनार पर्वत पर स्थित सुदर्शन झील का पुनरुद्धार किया ।
- स्कन्दगुप्त ने प्रणदत्त को सौराष्ट्र का गवर्नर नियुक्त किया ।
- अंतिम गुप्त शासक विष्णुगुप्त था ।

स्कन्दगुप्त के बाद इस साम्राज्य में निम्नलिखित प्रमुख राजा हुए:

- पुरुगुप्त (467-473)
- कुमारगुप्त द्वितीय (473-476)
- बुधगुप्त (476-495)
- नरसिंह गुप्त (495)
- कुमारगुप्त तृतीय

गुप्तकालीन मंदिरों की विशेषताएँ

- आरंभिक गुप्तकालीन मंदिरों में शिखर नहीं होते थे। मन्दिरों का गर्भगृह बहुत साधारण होता था।
- गर्भगृह में देवताओं को स्थापित किया जाता था। ।
- शुरुआती गुप्त मंदिरों में अलंकरण देखने को नहीं मिलता है, परन्तु बाद के स्तम्भों, मन्दिरो की दीवार चौखट आदि पर मूर्तियों द्वारा अलंकरण देखने को मिलता है।
- विष्णु मंदिर नक्काशीदार है। इसके प्रवेश द्वार पर मकरवाहिनी गंगा, यमुना, शंख व पद्म की आकृतियाँ बनी हैं। कई मंदिरों में गुप्तकालीन स्थापत्य कला देखने को मिलती है,
- गुप्तकालीन मंदिरों की विषय-वस्तु रामायण, महाभारत और पुराणों से ली गई है।
- प्रारंभिक मंदिरों की छतें चपटी होती थी, किन्तु आगे चलकर शिखर भी बनाये जाने लगे।
- मंदिर के वर्गाकार स्तंभों के शीर्षभाग पर चार सिंहों की मूर्तियां एक दूसरे से पीठ सटाये हुए बनाई गयी हैं।
- गुप्तकाल के अधिकांश मंदिर पाषाण निर्मित हैं। केवल भीतरगाँव तथा सिरपुर के मंदिर ही ईंटों से बनाये गये हैं।

गुप्त काल के कुछ प्रमुख मंदिर इस प्रकार हैं –

- मौर्योत्तर काल के उपरान्त तीसरी शताब्दी ईस्वी में तीन राजवंशो का उदय हुआ
- जिसमें मध्य भारत में नाग शक्ति, दक्षिण में वाकाटक तथा पूर्वी में गुप्त वंश प्रमुख हैं।
- मौर्य वंश के पतन के पश्चात् नष्ट हुई राजनीतिक एकता को पुनः स्थापित करने का श्रेय गुप्त वंश को है।
- 5वीं शताब्दी के आस-पास उत्तरी भारत में गुप्त वंश का पतन आरंभ हो गया था,
- तथा भारत में उसके साम्राज्य को समाप्त कर दिया ।

गुप्त काल की प्रमुख साहित्यिक रचनायें

- गुप्तकाल को संस्कृत साहित्य का स्वर्णयुग माना जाता है।
- **बार्नेट** के अनुसार 'प्राचीन भारत के इतिहास में गुप्त काल का वह महत्त्व है जो यूनान के इतिहास में पेरिक्लीयन युग का है।'

- **स्मिथ** ने गुप्त काल की तुलना ब्रिटिश इतिहास के 'एजिलाबेथन' तथा 'स्टुअर्ट' के कालों से की है।
- गुप्त काल को श्रेष्ठ कवियों का काल माना जाता है। इस काल के कवि को दो भागों में बांटा गया है,-
- प्रथम भाग में वे कवि आते हैं जिनके विषय में हमें अभिलेखों से जानकारी मिलती है इस श्रेणी में हरिषेण, शाव (वीरसेन), वत्सभट्टि और वासुल आते हैं।
- द्वितीय श्रेणी में वे कवि आते हैं जिनकी रचनाओं के बारे में हमें ज्ञान हैं, जैसे कालिदास, भारवि, भट्टि, मातृगुप्त, भर्तृश्रेष्ठ तथा विष्णु शर्मा आदि।

हरिषेण

अध्याय – 5

मुगल साम्राज्य (1526 - 1707 ई.)

बाबर से औरंगजेब तक

बाबर (1526 – 1530 ई.)

- पानीपत के मैदान में 21 अप्रैल, 1526 को इब्राहिम लोदी और चुगताई तुर्क जलालुद्दीन बाबर के बीच युद्ध लड़ा गया।
- लोदी वंश के अंतिम शासक इब्राहिम लोदी को पराजित कर खानाबदोश बाबर ने तीन शताब्दियों से सत्तारूढ़ तुर्क अफगानी सुल्तानों की- दिल्ली सल्तनत का तख्ता पलट कर दिया।
- बाबर ने मुग़ल साम्राज्य और मुग़ल सल्तनत की नींव रखी ।
- मुगल वंश का संस्थापक बाबर था, अधिकतर मुगल शासक तुर्क और सुन्नी मुसलमान थे मुगल शासन 17 वीं शताब्दी के आखिर में और 18 वीं शताब्दी की शुरुआत तक चला और 19 वीं शताब्दी के मध्य में समाप्त हुआ।
- बाबर का जन्म छोटी सी रियासत 'फरगना में 1483 ई. में हुआ था। जो फ़िलहाल उज़्बेकिस्तान का हिस्सा है।
- बाबर अपने पिता की मृत्यु के पश्चात् मात्र 11 वर्ष की आयु में ही फरगना का शासक बन गया था। बाबर को भारत आने का निमंत्रण पंजाब के सूबेदार दौलत खाँ लोदी और इब्राहिम लोदी के चाचा आलम खाँ लोदी ने भेजा था ।
- पानीपत का प्रथम युद्ध 21 अप्रैल, 1526 ई. को इब्राहिम लोदी और बाबर के बीच हुआ, जिसमें बाबर की जीत हुई
- खनवा का युद्ध 17 मार्च 1527 ई. में राणा सांगा और बाबर के बीच हुआ, जिसमें बाबर की जीत हुई ।
- चंदेरी का युद्ध 29 मार्च 1528 ई. में मेदनी राय और बाबर के बीच हुआ, जिसमें बाबर की जीत हुई ।
- घाघरा का युद्ध 6 मई 1529 ई. में अफगानों और बाबर के बीच हुआ, जिसमें बाबर की जीत हुई ।

नोट -पानीपत के प्रथम युद्ध में बाबर ने पहली बार तुगलमा / तुलगमा युद्ध नीति का इस्तेमाल किया था ।

- उस्ताद अली एवं मुस्तफा बाबर के दो प्रसिद्ध निशानेबाज थे। जिसने पानीपत के प्रथम युद्ध में भाग लिया था ।
- पानीपत का प्रथम युद्ध बाबर का भारत पर उसके द्वारा किया गया पांचवा आक्रमण था, जिसमें उसने इब्राहिम लोदी को हराकर विजय प्राप्त की थी और मुग़ल साम्राज्य की स्थापना की थी।
- बाबर की विजय का मुख्य कारण उसका तोपखाना और कुशल सेना प्रतिनिधित्व था । भारत में तोप का सर्वप्रथम प्रयोग बाबर ने ही किया था ।
- पानीपत के इस प्रथम युद्ध में बाबर ने उज्बेकों की 'तुलगमा युद्ध पद्धति तथा तोपों को सजाने के लिए'उस्मानी विधि जिसे 'रूमी विधि' भी कहा जाता है, का प्रयोग किया था।
- पानीपत के युद्ध में विजय की खुशी में बाबर ने काबुल के प्रत्येक निवासी को एक चाँदी का सिक्का दान में दिया था। अपनी इसी उदारता के कारण बाबर को 'कलन्दर' भी कहा जाता था।
- बाबर ने दिल्ली सल्तनत के पतन के पश्चात् उनके शासकों को सुल्तान' कहे जाने की परम्परा को तोड़कर अपने आपको 'बादशाह' कहलवाना शुरू किया।
- पानीपत के युद्ध के बाद बाबर का दूसरा महत्वपूर्ण युद्ध राणा सांगा के विरुद्ध 17 मार्च, 1527 ई. में आगरा से 40 किमी दूर खानवा नामक स्थान पर हुआ था।
- खानवा विजय प्राप्त करने के पश्चात् बाबर ने गाज़ी की उपाधि धारण की थी। इस युद्ध के लिए अपने सैनिकों का मनोबल बढ़ाने के लिए बाबर ने 'जिहाद' का नारा दिया था।
- खानवा के युद्ध में मुसलमानों पर लगने वाले कर तमगा की समाप्ति की घोषणा की थी, यह एक प्रकार का व्यापारिक कर था।
- 29 जनवरी, 1528 को बाबर ने चंदेरी के शासक मेदिनी राय पर आक्रमण कर उसे पराजित किया था। यह विजय बाबर को मालवा जीतने में सहायक रही थी।
- बाबर ने 06 मई, 1529 में 'घाघरा का युद्ध लड़ा था। जिसमें बाबर ने बंगाल और बिहार की संयुक्त अफगान सेना को हराया था।
- बाबर ने अपनी आत्मकथा 'बाबरनामा' का निर्माण किया था, जिसे तुर्की में 'तुजुके बाबरी' कहा जाता है। जिसे बाबर ने अपनी मातृभाषा चगताई तुर्की में लिखा है।
- बाबरनामा में बाबर ने तत्कालीन भारतीय दशा का विवरण दिया है। जिसका फारसी अनुवाद अब्दुर्रहीम खानखाना ने किया है और अंग्रेजी अनुवाद श्रीमती बेबरिज द्वारा किया गया है।
- बाबर ने अपनी आत्मकथा में 'बाबरनामा कृष्णदेव राय तत्कालीन विजयनगर के शासक को समकालीन भारत

का शक्तिशाली राजा कहा है। साथ ही पांच मुस्लिम और दो हिन्दू राजाओं मेंवाड़ और विजयनगर का ही जिक्र किया है।

- बाबर ने 'रिसाल ए-उसज' की रचना की थी, जिसे 'खत-ए बाबरी ' भी कहा जाता है।
- बाबर ने एक तुर्की काव्य संग्रह 'दिवान का संकलन भी करवाया था। बाबर ने 'मुबइयान' नामक पद्य शैली का विकास भी किया था।
- बाबर ने संभल और पानीपत में मस्जिद का निर्माण भी करवाया था।
- बाबर के सेनापति मीर बाकी ने अयोध्या में मंदिरों के बीच 1528 से 1529 के मध्य एक बड़ी मस्जिद का निर्माण करवाया था, जिसे बाबरी मस्जिद के नाम से जाना गया।
- बाबर ने आगरा में एक बाग का निर्माण करवाया था, जिसे 'नर-ए-अफगान' कहा जाता था, जिसे वर्तमान में 'आरामबाग-' के नाम से जाना जाता है।
- इसमें चारबाग शैली का प्रयोग किया गया है। यहीं पर 26 दिसम्बर, 1530 को बाबर की मृत्यु के बाद उसको दफनाया गया था। परन्तु कुछ समय बाद बाबर के शव को उसके द्वारा ही चुने गए स्थान काबुल में दफनाया गया था।
- बाबर को मुबइयान नामक पद्य शैली का जन्म दाता माना जाता है ।
- बाबर को उदारता के कारण कलन्दर की उपाधि दी गयी थी ।
- बाबर प्रसिद्ध नक्शबंदी सूफी ख्वाजा उबेदुल्ला अरहार का अनुयायी था ।
- बाबर के चार पुत्र हिन्दाल, कामरान, अस्करी और हुमायूँ थे। जिनमें हुमायूँ सबसे बड़ा था फलस्वरूप बाबर की मृत्यु के पश्चात् उसका सबसे बड़ा पुत्र हुमायूँ अगला मुग़ल शासक बना।
- पित्रादुरा तकनीक का प्रयोग एत्मादुद्दौला के मकबरे में हुआ है जो ईरानी शैली का है ।

हुमायूँ (1530 ई-1556 ई.)

- बाबर की मृत्यु के बाद उसका पुत्र हुमायूँ मुगल वंश के शासन (गद्दी) पर बैठा ।
- हुमायूँ ने अपने साम्राज्य का विभाजन भाइयों में किया था। उसने कामरान को काबुल एवं कंधार, अस्करी को संभल तथा हिंदाल को अलवर प्रदान किया था।
- हुमायूँ के सबसे बड़े शत्रु अफगान थे, क्योंकि वे बाबर के समय से ही मुगलों को भारत से बाहर खदेड़ने के लिए प्रयत्नशील थे।
- हुमायूँ का सबसे बड़ा प्रतिद्वंदी अफगान नेता शेर खाँ था, जिसे शेरशाह शूरी भी कहा जाता है।
- हुमायूँ का अफगानों से पहला मुकाबला 1532 ई. में दौहरिया' नामक स्थान पर हुआ। इसमें अफगानों का नेतृत्व महमूद लोदी ने किया था। इस संघर्ष में हुमायूँ सफल रहा।
- 1532 ई. में हुमायूँ ने शेर खाँ के चुनार किले पर घेरा डाला। इस अभियान में शेर खाँ ने हुमायूँ की अधीनता स्वीकार कर ली
- 1532 ई. में हुमायूँ ने दिल्ली में दीन पनाह' नामक नगर की स्थापना की।
- चारबाग पद्धति का प्रयोग पहली बार हुमायूँ के मकबरे में हुआ जबकि भारत में पहला बाग युक्त मकबरा सिकन्दर लोदी का था ।
- हुमायूँ के मकबरे को ताजमहल का पूर्वगामी माना जाता है ।
- स्वर्ण सिक्का जारी करने वाला प्रथम मुगल शासक हुमायूँ था ।
- हुमायूँ ने 1535 ई. में ही उसने बहादुर शाह को हराकर गुजरात और मालवा पर विजय प्राप्त की।
- शेर खाँ की बढ़ती शक्ति को दबाने के लिए हुमायूँ ने 1538 ई. में चुनारगढ़ के किले पर दूसरा घेरा डालकर उसे अपने अधीन कर लिया।
- 1538 ई. में हुमायूँ ने बंगाल को जीतकर मुग़ल शासक के अधीन कर लिया । बंगाल विजय से लौटते समय 26 जून, 1539 को चौसा के युद्ध में शेर खाँ ने हुमायूँ को बुरी तरह पराजित किया।
- शेर खाँ ने 17 मई, 1540 को बिलग्राम के युद्ध में पुनः हुमायूँ को पराजित कर दिल्ली पर बैठा। हुमायूँ को मजबूर होकर भारत से बाहर भागना पड़ा।
- 1544 में हुमायूँ ईरान के शाह तहमस्प के यहाँ शरण लेकर पुनः युद्ध की तैयारी में लग गया ।
- 15 मई, 1555 को मच्छीवाड़ा तथा 22 जून, 1555 को सरहिन्द के युद्ध में सिकन्दर शाह सूरी को पराजित कर हुमायूँ ने दिल्ली पर पुनः अधिकार लिया।
- 23 जुलाई, 1555 को हुमायूँ एक बार फिर दिल्ली के सिंहासन पर आसीन हुआ, परन्तु अगले ही वर्ष 27 जनवरी, 1556 को पुस्तकालय की सीढ़ियों से गिर जाने से उसकी मृत्यु हो गयी।

- लेनपूल ने हुमायूँ पर टिप्पणी करते हुए कहा, "हुमायूँ जीवन भर लड़खड़ाता रहा और लड़खड़ाते हुए उसने अपनी जान दे दी।"
- बैरम खाँ हुमायूँ का योग्य एवं वफादार सेनापति था, जिसने निर्वासिन् तथा पुनः राजसिंहासन प्राप्त करने में हुमायूँ की मदद की।
- हुमायूँनामा की रचना गुलबदन बेगम नी की थी ।
- हुमायूँ ज्योतिष में विश्वाश करता था इसलिए इसने सप्ताह में सातों दिन सात रंग के कपड़े पहनने के नियम बनाए ।

शेरशाह सूरी (1540 ई. - 1545 ई.)

- बिलग्राम के युद्ध में हुमायूँ को पराजित कर 1540 ई में 67 वर्ष की आयु में दिल्ली की गद्दी पर बैठा । इसने मुग़ल साम्राज्य की नींव उखाड़ कर भारत में अफगानों का शासन स्थापित किया ।
- शेरशाह का जन्म 1472 ई. में हुआ था । यह सुर वंश से संबंधित था ।
- इसके बचपन का नाम फरीद था। शेरशाह का पिता हसन खाँ जौनपुर का एक छोटा जागीरदार था।
- दक्षिण बिहार के सूबेदार बहार खाँ लोहानी ने शेर मारने के उपलक्ष्य में फरीद खाँ की उपाधि प्रदान थी।
- शेरशाह सूरी ने ग्रैंड ट्रंक रोड़ का निर्माण करवाया ।
- बहार खाँ लोहानी की मृत्यु के बाद शेर खाँ ने उसकी विधवा दूदू बेगम से विवाह कर लिया।
- 1539 ई. में बंगाल के शासक नुसरत शाह को पराजित करने के बाद शेर खाँ ने हजरत-ए-आला' की उपाधि धारण की ।
- 1539 ई. में चौसा के युद्ध में हुमायूँ को पराजित करने के बाद शेर खाँ ने शेरशाह' की उपाधि धारण की ।
- 1540 में दिल्ली की गद्दी पर बैठने के बाद शेरशाह ने सूरवंश अथवा द्वितीय अफगान साम्राज्य की स्थापना की।
- शेरशाह ने अपनी उत्तरी पश्चिमी सीमा की सुरक्षा के लिए 'रोहतासगढ़' नामक एक सुदृढ़ किला बनवाया। एवं कन्नोज के स्थान पर शेरसूर नामक नगर बसाया।
- कबुलियत एवं पट्टा प्रथा की शुरुआत शेरशाह ने की थी ।
- 1542 और 1543 ई. में शेरशाह ने मालवा और रायसीन पर आक्रमण करके अपने अधीन कर लिया।
- 1544 ई. में शेरशाह ने मारवाड़ के शासक मालदेव पर आक्रमण किया। इसमें उसे बड़ी मुश्किल से सफलता मिली । इस युद्ध में राजपूत सरदार 'जैता' और 'कुंपा' ने अफगान सेना के छक्के छुड़ा दिए।
- 1545 ई में शेरशाह ने कालिंजर के मजबूत किले का घेरा डाला, जो उस समय कीरत सिंह के अधिकार में था, परन्तु 22 मई 1545 को बारूद के ढ़ेर में विस्फोट के कारण उसकी मृत्यु हो गयी।
- भारतीय इतिहास में शेरशाह अपने कुशल शासन प्रबंध के लिए जाना जाता है।
- शेरशाह ने भूमि राजस्व में महत्वपूर्ण परिवर्तन किया, जिससे प्रभावित होकर अकबर ने अपने शासन को प्रबंध का अंग बनाया।
- शेरशाह सूरी ने प्रसिद्ध ग्रैंड ट्रंक रोड (पेशावर से कलकत्ता) की मरम्मत, करवाकर व्यापार और आवागमन को सुगम बनाया।
- डाक – प्रथा की शुरुआत शेरशाह के द्वारा ही किया गया था ।
- मलिक मुहम्मद जायसी शेरशाह के समकालीन थे ।
- शेरशाह का मकबरा बिहार के सासाराम में स्थित है, जो मध्यकालीन कला का एक उत्कृष्ट नमूना है।
- दिल्ली में द्वितीय अफगान वंश का संस्थापक शेरशाह सूरी था ।
- शेरशाह के शासन काल में भू-राजस्व की वसूली की निगरानी करने वाले अधिकारी को मुंसिफ अथवा आमिल कहते हैं ।
- शेरशाह की मृत्यु के बाद भी सूर वंश का शासन 1555 ई. में हुमायूँ द्वारा पुनः दिल्ली की गद्दी प्राप्त करने तक कायम रहा ।
- शेरशाह ने भूमि की माप के लिए 32 अंकवाडा सिकन्दरी गज एवं सन की डंडी का प्रयोग किया । इसने 178 ग्रेन चाँदी का रुपया व 380 ग्रेन ताम्बे के दाम चलाये ।
- शेरशाह के समय पैदावार का लगभग 1/3 भाग सरकार लगान के रूप वसूल करती थी ।

अकबर (1556 – 1605)

- हुमायूँ की मृत्यु के बाद उसके पुत्र अकबर का कलानौर नामक स्थान पर 14 फरवरी, 1556 को मात्र 13 वर्ष की आयु में राज्याभिषेक हुआ।
- अकबर का जन्म 15 अक्टूबर, 1542 को अमरकोट के राजा वीरमाल के प्रसिद्ध महल में हुआ था।
- अकबर ने बचपन से ही गजनी और लाहौर के सूबेदार के रूप में कार्य किया था ।
- भारत का शासक बनने के बाद 1556 से 1560 तक अकबर बैरम खाँ के संरक्षण में रहा।

अध्याय – 7

क्रांतिकारी आंदोलन से आजादी तक

- सावरकर बंधुओं ने 1904 में मित्र मेला एवं 'अभिनव भारत' नामक क्रांतिकारी संगठन की स्थापना की।
- महाराष्ट्र में पहली क्रांतिकारी घटना 1897 में प्लेग कमिश्नर रैण्ड की गोली मारकर की गयी हत्या थी।
- वस्तुतः चापेकर बंधुओं ने बालकृष्ण एवं दामोदर चापेकर तिलक के पत्र'केसरी' में छपे लेख से प्रेरित होकर यह कार्य किया था।
- बंगाल में 1902 में अनुशीलन समिति की स्थापना हुई जिसमें 'बारीन्द्र कुमार घोष' एवं 'जतिन नॉथ' की भूमिका महत्वपूर्ण थी।
- बंगाल में 'बारीन्द्र कुमार घोष' एवं 'उपेन्द्रनाथ दत्त' ने 'युगांतर' नामक समाचार पत्र का प्रकाशन किया।
- 1930 में बंगाल में विनय, बादल एवं दिनेश नामक क्रांतिकारियों ने अंग्रेज अधिकारियों की हत्या कर दी। इसी तरह सूर्यसेन)मास्टर दा (ने चटगांव शस्त्रागार पर नियंत्रण स्थापित किया ।
- भगत सिंह ने 1925 में 'भारत नौजवान सभा' की स्थापना की जिसने भारतीयों को समाजवादी विचारधारा के माध्यम से क्रान्ति की ओर प्रेरित किया।
- पंजाब में क्रांतिकारी विचारधारा के प्रसार में अजीत सिंह की भूमिका महत्वपूर्ण थी। जब अजीत सिंह को पंजाब से निर्वासित किया गया तो वह फ्रांस पहुंचकर क्रांतिकारी विचारों का प्रचार करने लगे।
- दिल्ली में 1912 में वायसराय लॉर्ड हार्डिंग के काफिले पर बम फेंका गया। इस घटना में रास बिहारी बोस की भूमिका महत्वपूर्ण थी।
- संयुक्त प्रांत में 9 अगस्त 1925 में लखनऊ के पास काकोरी ट्रेन डकैती की गयी और सरकारी खजाने को लूटा गया। इस काकोरी षड्यंत्र मुकदमें के तहत राम प्रसाद बिस्मिल, रोशन सिंह, राजेन्द्र लाहिडी एवं अशफाक उल्ला खां को फांसी दे दी गयी। चन्द्रशेखर आजाद भी इस घटना में, शामिल थे किन्तु वे फरार होने में सफल रहे ।
- 1928 में दिल्ली में फिरोजशाह कोटला मैदान में क्रांतिकारियों की बैठक हुई जिसमें भगत सिंह, चन्द्रशेखर आजाद जैसे क्रांतिकारी शामिल थे। इस बैठक में हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन)HRA) का नाम बदलकर हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन CHSRAJ कर दिया गया।
- रास बिहारी घोष –उदारवादी
- रास बिहारी बोस- क्रांतिकारी
- स्वदेशी आंदोलन में किसानों की भागीदारी नहीं थी।
- ब्रह्म समाज -1828
- आर्य समाज 1875
- रामकृष्ण मिशन -1897

- **विदेश में प्रसार**
- **लंदन** में 1905 में श्याम जी कृष्ण वर्मा ने 'इंडिया होमरुल सोसाइटी'की स्थापना की जिसका लक्ष्य भारत के लिए स्वराज की प्राप्ति करना था। इसकी स्थापना ब्रिटिश समाजवादी नेता 'हीडमैंन' के सुझाव पर की गई। है। इसके उपाध्यक्ष अब्दुल्ला सुहरावर्दी थे।
- श्याम जी कृष्ण वर्मा ने लंदन में 'इंडिया हाउस' की स्थापना की जो क्रांतिकारियों का प्रमुख केन्द्र बना। यह विदेशों में रह रहे भारतीयों को एकजुट कर क्रांतिकारी विचारधारा के प्रसार में अपनी भूमिका निभाता था। सरकारी दमन के कारण श्याम जी कृष्ण वर्मा को लंदन छोड़ना पड़ा और वे पेरिस चले गए। तत्पश्चात् इंडिया हाउस का कार्यभार वी.डी .सावरकर ने संभाला।
- वी.डी .सावरकर ने 1857 का 'स्वतंत्रता संग्राम' नामक पुस्तक की रचना की और मेजिनी की आत्मकथा का मराठी में अनुवाद किया।
- इसी इंडिया हाउस से जुड़े हुए मदन लाल ढींगरा भारत सचिव के राजनीतिक सलाहकार 'वाइली' की 1909 में गोली मारकर हत्या कर दी।

- **फ्रांस** में श्रीमती भीखा जी कामा ने पेरिस में क्रांतिकारी विचारों का प्रसार किया। इन्होंनें वंदे मातरम नामक पत्र का संपादन किया। इन्हें क्रांतिकारियों की माता कहा जाता है।

- **अमेरिका**-:1913 अमेरिका के पोर्ट लैंड में 'हिंद एसोशिएन' की स्थापना नामक पत्रिका का प्रकाशन गुजराती और उर्दू में किया थी।
- गदर पार्टी की स्थापना अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में हुई । जिसमें सोहन सिंह भावना, लाला हरदयाल भाई परमानंद की भूमिका महत्वपूर्ण थी।
- गदर पार्टी के अध्यक्ष भावना एवं महासचिव लाला हरदयाल थे तथा कोषाध्यक्ष काशीराम थे।
- गदर पार्टी धर्मनिरपेक्ष स्वरूप से युक्त थी।

- गदर पार्टी के सदस्य करतार सिंह सराभा के वीरता एवं बलिदान से भगत सिंह अत्यधिक प्रभावित थे।
- गदर आंदोलन ने कामागाटामारू जहाज विवाद में भारतीयों का समर्थन किया।
- कामागा टामारु जहाज विवाद 1914 में हुआ था ।

- **अफगानिस्तान-**:1915 में राजा महेन्द्र प्रताप एवं बरकतुल्ला तथाओबैदुल्ला सिंधी के प्रयासों से काबुल में भारत की पहली स्वतंत्र एवं अस्थायी सरकार की स्थापना की गयी जिसमें महेन्द्र प्रताप राष्ट्रपति और बरकतुल्ला प्रधानमंत्री बने ।

होमरूल लीग आंदोलन)1916)

- एनी बेसेन्ट और तिलक ने 1916 में होमरुल लीग की स्थापना की। इसका गठन आयरलैंड के होमरूल लीग के आधार पर किया गया ।
- जून-1914 में तिलक जेल से रिहा हुए।
- तिलक ने अप्रैल 1916 में बेलगाँव में होमरूल लीग की स्थापना की जिसकी शाखाएँ महाराष्ट्र)बॉम्बे को छोड़कर(, कर्नाटक, मध्यप्रांत एवं बरार में स्थापित थी।
- ऐनी बेसेंट ने सितम्बर -1916 में मद्रास में होमरूल लीग की स्थापना की जिसकी शाखाएँ तिलक द्वारा स्थापित किए गए क्षेत्रों को छोड़कर पूरे भारत में भी जिनकी संख्या 200 थी और इसके सचिव 'जार्ज अरुण्डेल' थे।
- होमरूल लीग आंदोलन का मुख्य उद्देश्य भारतीय जनमानस को स्वशासन के वास्तविक स्वरूप से परिचित कराना था।
- तिलक और बेसेंट के प्रयासों से 1916 में लखनऊ अधिवेशन में कांग्रेस के नरमदल एवं गरमदल के बीच समझौता हुआ।

- **<u>1945 -1947 के बीच का भारत:</u>**
- वैवेल योजना - जून 1945
- आजाद हिंद फौज एवं लाल किला मुकदमा –नवम्बर 1945
- शाही भारतीय नौसेना विद्रोह –फरवरी 1946
- कैबिनेट मिशन – मार्च 1946
- ब्रिटिश प्रधानमंत्री एटली की घोषणा –20 फरवरी 1947
- माउंटबेटन योजना –3 जून 1947

- **वैवेल योजना - (1945)**वायसराय वैवेल ने 1945 में एक राजनीतिक सुधार की योजना प्रस्तुत की जिसे वेवेल योजना के नाम से जाना जाता है।
- इस योजना के अनुसार वायसराय के कार्यकारिणी का पुर्नगठन किया जाना था। इस उद्देश्य से राजनीतिक नेताओं को जेल से रिहा किया गया और जून 1995 में शिमला में एक सम्मेलन बुलाया गया।
- वैवेल योजना के अंतर्गत निम्नलिखित प्रावधान रखे गए :
  - वायसराय एवं कमांडर-इन चीफ को छोड़कर वायसराय की कार्यकारिणी के सभी सदस्य भारतीय होंगे और परिषद् में हिंदू मुसलमानों की संख्या बराबर रखी जाएगी।
  - वायसराय वीटो पावर के प्रयोग का प्रयास नहीं करेगा।
- इस योजना के संदर्भ में मुस्लिम लीग चाहती थी कि उसे ही भारत मुसलमानों का एक मात्र दल माना जाए वायसराय की कार्यकारिणी में मुस्लिम लीग के बाहर का कोई मुसलमान नहीं होना चाहिए।
- दूसरी तरफ कांग्रेस ने इस सूची के लिए दो मुस्लिम सदस्यों -मौलाना आजाद एवं अब्दुलगफ्फार खाँ को नियुक्त किया जिसका जिन्ना ने विरोध किया। अतः वायसराय वैवेल ने जिन्ना की आपत्ति देखते हुए सम्मेलन को असफल घोषित कर समाप्त कर दिया।
- कांग्रेस ने जिन्ना के मन को इसलिए स्वीकार नहीं किया क्योंकि ऐसा करने से कांग्रेस एक साम्प्रदायिक दल अर्थात् हिंदू दल के रूप में जाना जाता और भारत के मुसलमानों का एकमात्र दल मुस्लिम लीग को माना जाता । इससे मुस्लिम लीग की भारत विभाजन की माँग और मजबूत हो जाती ।

आजाद हिन्द फौज)भारतीय राष्ट्रीय सेना-INA) :-
INA की स्थापना 1942 में मोहन सिंह ने की थी।

- जापानी मेजर फूजीवारा ने मोहन सिंह को इसके गठन का सुझाव दिया था ।
- मोहन सिंह ब्रिटिश सेना में एक भारतीय सैन्यअधिकारी थे
- 1 सितम्बर 1942 को मोहन सिंह के अधीन मलाया में INA का गठन हुआ।
- INA का दूसरा चरण उस समय आया जब सुभाष चन्द्र बोस 2 जुलाई 1943 में सिंगापुर पंहुचे और वहां से उन्होनें "दिल्ली चलो" का नारा दिया ।
- क्रांतिकारी नेता रास बिहारी बोस ने सुभाष चन्द्र बोस को सहयोग दिया।

भड़ौंच की जामा मस्जिद

- 1300 ई। में निर्मित हिन्दू मंदिरों के अवशेष से बनाई गई थी।

टंका मस्जिद

- 1361 ई। में निर्मित यह मस्जिद का निर्माण टोलका में करवाया गया था।
- अलंकृत स्तम्भों वाली इस मस्जिद में हिन्दू शैली का स्पष्ट छाप दिखाई पड़ती है।
- हिलाल खाँ काजी की मस्जिद
- 1333 ई। में ढोलका में इस मस्जिद का निर्माण करवाया गया था।
- इस मस्जिद में स्थानीय शैली में दो ऊँची मीनारों का निर्माण किया गया है।

अहमदशाह का मकबरा

- मुहम्मद शाह ने जामा मस्जिद के पूर्व में स्थित अहाते में इसका निर्माण करवाया था।
- दक्षिणी भाग में प्रवेश द्वारा वाला यह इमारत वर्गाकार है।
- मकबरे के ऊपर गुम्बद का, निर्माण किया गया है। गुजराती स्थापत्य कला का सर्वश्रेष्ठ काल महमूदशाह बेगड़ा के समय से आरंभ होता है। उसने चम्पानेर, जुनागढ़ तथा खेदा नामक तीन नगरों की स्थापना की थी। उसके द्वारा निर्मित इमारतों में चम्पानेर की जामी मस्जिद, नगीना मस्जिद, मोहर इमारतें आदि प्रमुख हैं।

अध्याय – 5

भारत के प्रमुख मंदिर

क्रम संख्या	मंदिर	स्थान
आंध्रप्रदेश के मंदिर		
1.	तिरुपति मंदिर	तिरुपति
2.	शिव मंदिर	लेपाक्षी
3.	मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर	श्री सेलम
4.	कालाहस्तिश्वर मंदिर	कलाहरित
5.	नरसिंह मंदिर	अहोबलम
तेलंगाना के मंदिर		
6.	श्री राम मंदिर	भद्राचलम
कर्नाटक के मंदिर		
7.	नंदी बैल मंदिर	बंगलुरु
8.	चेन्नाकेशव मंदिर	बैल्लू
9.	नंदी मंदिर	मैसूर
10.	तीर्थंकर गोमतेश्वर मंदिर	श्रवणबेलगोला
11.	हजारनामा मंदिर	हम्पी
12.	श्री रंग नाथ मंदिर	श्रीरंगपट्टम

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

13.	होयस्लेश्वर मंदिर	हेलबिड
केरल के मंदिर		
14.	श्री कोइल मंदिर	त्रिकोथीमानस
15.	चन्द्रनाथ जैन मंदिर	मुद्रा विदि
16.	गुहानाथ स्वामी का मंदिर	त्रावणकोर
17.	सचिन्द्रम मंदिर	त्रावणकोर
तमिलनाडु के मंदिर		
18.	रथ मंदिर	महाबलीपुरम
19.	एकाम्बेश्वर मंदिर	कांचीपुरम
20.	श्री कैलाश मंदिर	कांचीपुरम
21.	वृहदेश्वर मंदिर	तंजावुर
22.	सुचिन्द्रम मंदिर	कन्याकुमारी
23.	नटराज मंदिर	चिदम्बरम
24.	तट मंदिर	महाबलीपुरम
25.	मीनाक्षी मंदिर	मदुरई
26.	श्री रंगनाथ स्वामी मंदिर	श्री रंगम
27.	कन्याकुमारी मंदिर	कन्याकुमारी
28.	रामेस्वरम मंदिर	रामेस्वरम
29.	पार्थ सारथी मंदिर	चेन्नई
30.	कपलीश्वर	चेन्नई
पुदुचेरी के मंदिर		
31.	विलियानूर मंदिर	पुदुचेरी
32.	वेदापुरीश्वर मंदिर	पुदुचेरी
पश्चिम बंगाल के मंदिर		
33.	मदन मोहन मंदिर	विष्णुपुर
34.	काली मंदिर (घाट)	कोलकाता
35.	पारस नाथ मंदिर	कोलकाता
दिल्ली के मंदिर		
36.	लक्ष्मी नारायण मंदिर	दिल्ली
गुजरात के मंदिर		
37.	हाथीसिंह मंदिर	अहमदाबाद
38.	कीर्ति मंदिर	वड़ोदरा
39.	जैन मंदिर	जूनागढ़

अध्याय – II

भारतीय संसद (विधायिका) (art. 79-123)

संघीय विधानमंडल (संसद)

- भारतीय संविधान के अनु. 79 के अनुसार संसद के तीन अंग होते हैं - राष्ट्रपति, राज्यसभा और लोकसभा
- भारतीय संसद की संप्रभुता न्यायिक समीक्षा से प्रतिबंधित है ।
- संसद में स्थगन प्रस्ताव (adjournment motion) लाने का उद्देश्य सार्वजनकि महत्व के अति आवश्यक मुद्दों पर बहस करना है ।

संसद से सम्बंधित अनुच्छेद

अनु.	सम्बंधित विषय – वस्तु
79	संसद का गठन
80	राज्य सभा की सरंचना
81	लोक सभा की सरंचना
82	प्रत्येक जनगणना के पश्चात पुनः समायोजन
83	संसद के सदनों की अवधि
84	संसद की सदस्यता के लिए अर्हता
85	संसद के सत्र सत्रावसान एवं विघटन
86	राष्ट्रपति का सदनों को सम्बोधित तथा उनको संदेश देने का अधिकार
87	राष्ट्रपति का विशेष सम्बोधन अभिभासण
88	सदनों के सम्बंध में मंत्रियों और महान्यायवादी के अधिकार
89	राज्य सभा का सभापति तथा उपसभापति
90	राज्य सभा के उपसभापति के पद की रिक्ति, त्याग तथा पद से हटाया जाना ।
91	सभापति के कर्तव्यों के निर्वहन अथवा सभापति के रूप में कार्य करने की उपसभापति अथवा अन्य व्यक्ति की शक्ति
92	जब राज्य सभा के सभापति अथवा उपसभापति को पद से हटाने का संकल्प विचाराधीन हो तब उसका पीठासीन न होना
93	लोक सभा का अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष
94	लोक सभा अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष पद की रिक्ति, त्यागपत्र तथा पद से हटाया जाना
95	लोक सभा उपाध्यक्ष अथवा किसी अन्य व्यक्ति का लोक सभा अध्यक्ष के कर्तव्यों के निर्वहन की शक्ति
96	जब लोक सभा अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष को पद से हटाने का संकल्प विचाराधीन हो तब उसका पीठासीन न होना ।
97	सभापति व उपसभापति तथा अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के वेतन-भत्ते
98	संसद का सचिवालय
99	सदस्यों द्वारा शपथ या प्रतिज्ञान
100	दोनों सदनों में मतदान, रिक्तयों के होते हुए भी सदनों की कार्य करने की शक्ति तथा गणपूर्ति
101	स्थानों का रिक्त होना
102	संसद की सदस्यता के लिए निरर्हरताएं
103	सदस्यों की अयोग्यता से सम्बंधित प्रश्नों पर निर्णय
104	अनु. 99 के अंतर्गत शपथ लेने या प्रतिज्ञान करने से पहले अर्हत न होते अथवा निरर्हत किए जाने पर भी सदन में बैठने तथा मतदान करने पर दंड ।

लोकसभा (art-81)

- लोकसभा को निम्न सदन / प्रथम सदन / अस्थाई सदन / लोकप्रिय सदन कहते हैं।
- प्रथम लोकसभा का गठन 17 अप्रैल, 1952 को हुआ था।
- अनच्छेद 81 तथा 331 लोकसभा के गठन से संबंधित है ।
- लोकसभा में अधिकतम 552 सदस्य हो सकते हैं । इनमें से 530 सदस्य राज्यों से जबकि केंद्र शासित प्रदेशों से 20 सदस्य चुने जाते हैं जबकि 2 आंग्ल भारतीय सदस्य भारत के राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत किए जाते हैं ।
- लोकसभा की वर्तमान सदस्य संख्या 545 से इनमें से 530 सदस्य राज्यों से जबकि 13 सदस्य केंद्र शासित प्रदेशों से चुने जाते हैं जबकि 2 आंग्ल भारतीय सदस्य भारत के राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत किए जाते हैं।

- 91वाँ संविधान संशोधन अधिनियम 2001 में प्रावधान किया गया है कि लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 552 सन् 2026 तक बनी रहेगी।
- लोकसभा का कार्यकाल अपनी प्रथम बैठक से अगले 5 वर्ष तक होती है।

- **लोकसभा का सदस्य बनने के लिए व्यक्ति में निम्नलिखित योग्यताएं होनी आवश्यक हैं:**
  - वह भारत का नागरिक हो ।
  - उसकी आयु 25 वर्ष से कम न हो ।
  - वह संघ सरकार तथा राज्य सरकार के अधीन किसी लाभ के पद पर न हो (सरकारी नौकरी में न हो)
  - वह पागल / दिवालिया न हो ।
- लोकसभा - अध्यक्ष का कार्यकाल पाँच वर्ष होता है,
- किन्तु अपने पद से वह स्वेच्छा से त्यागपत्र दे सकता है अथवा अविश्वास प्रस्ताव द्वारा उसे हटाया जा सकता है।
- 61वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1989 के द्वारा यह व्यवस्था कर दी गई कि 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाला नागरिक लोकसभा या राज्य विधानसभा के सदस्यों को चुनने के लिए वयस्क माना जाएगा।
- लोकसभा विघटन की स्थिति में 6 मास से अधिक नहीं रह सकती।
- लोकसभा का गठन अपने प्रथम अधिवेशन की तिथि से पाँच वर्ष के लिए होता है।
- लेकिन प्रधानमंत्री की सलाह पर लोकसभा का विघटन राष्ट्रपति द्वारा 5 वर्ष के पहले भी किया जा सकता है।
- क्योंकि लोकसभा के दो बैठकों के बीच का समयान्तराल 6 मास से अधिक नहीं होना चाहिए।
- लोकसभा की अवधि एक बार में 1 वर्ष से अधिक नहीं बढ़ायी जा सकती है।
- आपात उद्घोषणा की समाप्ति के बाद 6 माह के अन्दर लोकसभा का सामान्य चुनाव कराकर उसका गठन आवश्यक है।
- लोकसभा का अधिवेशन 1 वर्ष में कम से कम 2 बार होना चाहिए
- अनुच्छेद 85 के तहत राष्ट्रपति को समय-समय पर संसद के प्रत्येक सदन, राज्यसभा एवं लोकसभा को आहुत करने, उनका सत्रावसान करने तथा लोकसभा का विघटन करने का अधिकार प्राप्त है।
- लोकसभा अध्यक्ष लोकसभा का प्रमुख पदाधिकारी होता है और लोकसभा की सभी कार्यवाहियों का संचालन करता है -
- लोकसभा अध्यक्ष का निर्वाचन लोकसभा के सदस्यों के द्वारा किया जाता है।
- लोकसभा अध्यक्ष के निर्वाचन की तिथि राष्ट्रपति निश्चित करता है।
- लोकसभा अध्यक्ष लोकसभा के सामान्य सदस्य के रूप में शपथ लेता है।
- लोकसभा अध्यक्ष को कार्यकारी अध्यक्ष शपथ ग्रहण कराता है।
- आगामी लोकसभा चुनाव के गठन के बाद उसके प्रथम अधिवेशन की प्रथम बैठक तक अपने पद पर बना रहता है। लोकसभाध्यक्ष उपाध्यक्ष को अपना त्यागपत्र दे देता है।

राज्यों में लोकसभा सदस्यों की संख्या

1. उत्तर प्रदेश	80
2. महाराष्ट्र	48
3. पश्चिम बंगाल	42
4. बिहार	40
5. तमिलनाडु	39
6. मध्य प्रदेश	29
7. कर्नाटक	28
8. गुजरात	26
9. राजस्थान	25
10. आंध्र प्रदेश	25
11. ओडिशा	21
12.केरल	20
13. तेलंगाना	17
14. असम	14
15. झारखण्ड	14
16. पंजाब	13
17. छत्तीसगढ़	11
18. हरियाणा	10
19. जम्मू / कश्मीर	6
20. उत्तराखण्ड	5
21. हिमाचल प्रदेश	4
22.आंध्रप्रदेश	2
23. गोवा	2
24. मणिपुर	2
25. मेघालय	2
26. त्रिपुरा	2

अध्याय – 3

मुद्रा एवं बैंकिंग

मुद्रा (Money)

- कोई भी वस्तु जो सभी प्रकार के आर्थिक व्यवहारों को पूरा करने में तथा भुगतान के माध्यम के रूप में सामन्यतया स्वीकार की जाती है ,उसे मुद्रा(money) कहते है ।
- भारत में सर्वप्रथम कागजी मुद्रा(paper money) की शुरुआत वर्ष 1862 में की गई थी ।
- धातु मुद्रा में बाहरी मूल्य(face value) के साथ-साथ आन्तरिक मूल्य(intrinsic value) भी निहित होती है।
- विदेशी मुद्रा जिसमें त्वरित प्रवास की प्रवति (quick migration trend) होती है , गर्म मुद्रा(hot money) कहलाती है ।
- स्मार्ट मनी या प्लास्टिक मनी शब्द का प्रयोग क्रेडिट /डेबिट कार्ड के लिए किया जाता है ।
- बिटकॉइन क्रिप्टोकरेंसी(bitcoin cryptocurrency) का प्रचलन सातोशी नाकामोतो ने किया था ।
- वह मुद्रा जिसका वास्तविक एव अंकित मूल्य बराबर हो ,उसे प्रामाणिक मुद्रा(Standerd money) कहते है ।
- विशेष आहरण अधिकार(special drawing right – SDR) क्रत्रिम मुद्रा (Artificial money) का उदाहरण है ।
- जिस मुद्रा की विश्व बाजार में आपूर्ति की अपेक्षा मांग अधिक हो तो इस प्रकार की मुद्रा को दुर्लभ मुद्रा (hard currency) कहा जाता है ।
- वह मुद्रा जिसकी आपूर्ति मांग की अपेक्षा अधिक हो तो इस प्रकार की मुद्रा सॉफ्ट करेंसी (soft currency) कहलाती है ।
- भारत में सिक्कों की ढलाई मुबई ,कोलकाता तथा हेदराबाद में होती है ।
- 1 रुपये का नोट एवम् सभी सिक्कें भारत सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा जारी किये जाते है ,1 रुपये के नोट पर वित्त सचिव के हस्ताक्षर होते हैं ,जबकि एक रुपय से ऊपर के अन्य करेंसी नोट RBI द्वारा जारी किये जाते है ,जिन पर RBI बैंक के गवर्नर के हस्ताक्षर होते है ।
- अर्थव्यवस्था में ऊची कीमतों का होना मुद्रा प्रसार (currency Expansion) कहलाता है ।
- भारतीय रुपया वर्ष 1957 तक 16 आनों में विभाजित था । इसके पश्चात दाशमिक मुद्रा प्रणाली(decimal currency system) अपनायी गई और । रुपये को 100 समान पैसों में बाँटा गया ।
- RBI द्वारा जारी नोटों में 17 भाषओं का प्रयोग होता है ।
- भारत में मुद्रा एव साख का नियन्त्रण भारतीय रिजर्व बैंक(RBI)के द्वारा किया जाता है ।
- वर्ष 2020 तक एक वैश्विक डिजिटल करेंसी Libra तथा एक डिजिटल वालेट calibra जारी करने की घोषणा फेसबुक(facebook) ने की ।

बैंकिंग(Banking)

- ऐसी संस्थान जो किसी देश के वित्तीय व्यवहार में भागीदार होती हैं ,बैंक कहलाती हैं । बैंकों और इसी तरह के संस्थानों की व्यवसायिक गतिविधियां बैंकिंग(Banking) कहलाती है ।
- सर्वप्रथम आधुनिक बैंकिंग का विकास वर्ष 1609 में नीदरलैंड में हुआ ।

- **भारत में Banking** व्यवस्था में सर्वोच्च स्थान RBI का है RBI की स्थापना, RBI 1 April अधिनियम 1934 के अन्तर्गत 1935 में की गई थी
- RBI को केन्द्रीय बैंक / बैंकों का बैंक कहा जाता है ।
- 1 Jan 1949 इसका राष्ट्रीयकरण किया गया एवम् भारत सरकार के अधीन लाया गया RBI के प्रथम governor sir ओस्बोर्न स्मिथ थे ।
- RBI के प्रथम भारतीय governor C.D. Desh mukh थे
- वर्तमान में RBI के गवर्नर शक्तिकांत दास(25 वे) है ।
- RBI भारत में मौद्रिक नीतियाँ जारी करती हैं जिसके माध्यम से यह तरलता को नियंत्रित करती हैं
- RBI भारत में विदेशी मुद्रा का भण्डारन करती हैं भारत अपने विदेशी मुद्रा कोष मे अमेरिकी डोलर, पांड, यूरो, यन एवम् सोना रखता है।
- RBI को 10,000 तक के करेंसी नोट छापने का अधिकार प्राप्त है ।
- भारत में स्थापित पहली बैंक Bank of Hindustan थी इसकी स्थापना Alexandey and Company 1770 में की थी कुछ समय बाद यह बैंक बन्द हो गई।
- East India company के एक के बाद एक तीन अन्य बैंकों की स्थापना की
  1806-Bank of Bengal.
  1840 - Bank of Bombay
  1843- Bank of Madras
- 1865 में allahabad Bank की स्थापना की गई जी उसी नाम के भारत की प्राचीनतम बैंक हैं इस बैंक का मुख्यालय कोलकाता में हैं ।

बारबाडोस	ब्रिजटाउन	डॉलर
अलसल्वाडोर	सान सल्वाडोर	कोलन
हेंती	पोटओ प्रिंस	गॉर्ड
जमैका	किंग्स्टन	डॉलर
त्रिनिदाद एंड टोबैगो	पोर्ट ऑफ़ स्पेन	डॉलर
दक्षिण अमेरिकी देश		
अर्जेंटीना	ब्यूनस आयर्स	पेसो
ब्राजील	ब्रासीलिया	क्रुजादो
चिली	सेंटियागो	पीसो
कोलम्बिया	बोगोटा	पीसो
फ्रेंच गुयाना	कोयेन्ने	यूरो
पैराग्वे	असुन्सियोन	गुआरानी
पेरु	लीमा	न्यवोसोल
उरुग्वे	मोंटेवीडियो	पीसो
वेनेजुएला	कराकस	बोलिवर
ओशिआनिया क्षेत्र के देश		
ऑस्ट्रेलिया	कैनबरा	डॉलर
फिजी	सूवा	डॉलर
न्यूजीलैंड	वेलिंग्टन	डॉलर

- ***पुस्तक एवं लेखक***

पुस्तक और उनके लेखक 2022

1. "लॉकडाउन लिरिक्स" नामक पुस्तक संयुक्ता दास ने लिखी है। इस पुस्तक में कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के दौरान के अनुभवों और परेशानियों पर लिखी गई कविताओं का संग्रह है।
2. "द पॉवर ऑफ द बैलेट : ट्रवेल एंड ट्राइम्स इन द इलेक्शन्स की भूमिका सुनील अरोड़ा नए लिखी है। जबकि इस पुस्तक के लेखक उच्चतम न्यायालय के अधिवक्ता विपुल माहेश्वरी और पत्रकार अनिल माहेश्वरी है।
3. पुस्तक "बियॉन्ड द मिस्टी वेइल" पुस्तक की लेखिका आराधना जौहरी है। यह पुस्तक देश विदेश में उत्तराखंड के दिव्य मंदिरों के प्रमाणिक परिचय देती है।
4. "द मैकमोहन लाइन: ए सेंचुरी ऑफ डिस्कॉर्ड" नामक पुस्तक के लेखक जे जे सिंह हैं। इस पुस्तक के लेखक अरुणाचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल और पूर्व सेनाध्यक्ष के पद पर जनरल जे जे सिंह रह चुके हैं। यह किताब भारत – चीन सीमा विवाद पर जनरल जे जे सिंह के अनुभवों और शोध पर आधारित है।
5. "टॉम्ब ऑफ सैंड" नामक पुस्तक के लेखक गीतांजलि श्री है। गीतांजलि श्री को उनके उपन्यास "Tomb of Sand" के लिए साल 2022 का अंतर्राष्ट्रीय बुकर प्राइज दिया गया है। ऐसा पहली बार है कि जब किसी हिंदी उपन्यास के लिए किसी लेखिका को दुनिया के प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय बुकर प्राइज से सम्मानित किया गया है। यह भारत के लिए बड़े गर्व की बात है। लेखिका और साहित्यकार गीतांजलि श्री का यह उपन्यास मूल रूप से हिंदी में "रेत समाधि " के नाम से प्रकाशित हुई थी और इसका अंग्रजी अनुवाद "Tomb of Sand" नाम से डेजी रॉकवेल ने किया है।
6. क्रंच टाइम : नरेंद्र मोदीज नेशनल सिक्योरिटी क्राइसिस पुस्तक के लेखक श्रीराम चौलिया है। यह पुस्तक चीन और पाकिस्तान के साथ संकट

- **भारत में प्रथम महिला**

भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री कौन थी ।	श्रीमती इंदिरा गांधी
संयुक्त राष्ट्र संघ के महासभा की प्रथम महिला सभापति कौन थी ।	श्रीमती विजयलक्ष्मी पण्डित
इण्डियन नेशनल कांग्रेस की प्रथम महिला सभापति कौन थी ।	श्रीमती एनीबेसेंट
मुख्य सूचना आयुक्त का पद भार सँभालने वाली पहली महिला	दीपक संधू
मिस एशिया पैसिफिक का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला	जीनत अमान
संयुक्त राष्ट्र महासभा की पहली महिला अध्यक्ष	श्रीमती विजयलक्ष्मी पंडित
ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला कौन थी ।	कर्णम मल्लेश्वरी
एशियाड में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला कौन थी ।	कमलजीत संधू
उच्च न्यायालय में प्रथम महिला मुख्य न्यायाधीश	लीला सेठ (हिमाचल उच्च न्यायालय)
एवरेस्ट की चोटी पर दो बार पहुँचने वाली प्रथम भारतीय महिला	संतोष यादव
एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचने वाली सबसे कम उम्र की महिला कौन थी	डिक्की डोल्मा
इंग्लिश चेनल को तैरकर पार करने वाली प्रथम भारतीय महिला कौन है।	आरती साहा
संयुक्त राष्ट्र संघ की नागरिक पुलिस सलाहकार नियुक्त होने वाली भारत एवं विश्व की प्रथम महिला	किरण बेदी
प्रथम भारतीय महिला क्रिकेटर जिसने दोहरा शतक बनाया है ।	मितालीराज (214 रन, अगस्त, 2000 को इंग्लैण्ड के विरुद्ध)
भारतीय पुलिस सेवा में चयनित प्रथम महिला कौन थी ।	किरण बेदी
राज्य विधायिका की प्रथम महिला विधायिका	डॉ० एस० मुथु लक्ष्मी रेड्डी (चेन्नई)
संघ लोक सेवा आयोग की प्रथम महिला अध्यक्ष कौन थी	रोज मिलियन बेथ्यूज
शांति के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित प्रथम नागरिक कौन है	मदर टेरेसा
राज्यसभा की प्रथम महिला महासचिव	वी०एस० रमा देवी
भारत के किसी शहर की प्रथम महिला मेयर	तारा चेरियन (चेन्नई)
केन्द्रीय व्यवस्थापिका की प्रथम महिला सांसद	राधाबाई सुबारायन
भारत की प्रथम महिला सत्र न्यायाधीश (सेशन जज) कौन थी ।	अन्ना चांडी (केरल
किसी विश्वविद्यालय के छात्र संघ की प्रथम महिला अध्यक्ष	अंजू सचदेवो (दिल्ली विश्वविद्यालय)
नार्मन बोरलॉग पुरस्कार से सम्मानित प्रथम महिला कौन है	डॉ० अमृता पटेल
साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित प्रथम महिला	अमृता प्रीतम
"भारत रत्न" से सम्मानित प्रथम महिला	श्रीमती इंदिरा गांधी
भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित प्रथम महिला	आशापूर्णा देवी
अंटार्कटिका पहुँचने वाली प्रथम भारतीय महिला	डॉ.सुदीप्तिसेन गुप्ता एवं डॉ. पंत
उत्तरी ध्रुव पर पहुँचने वाली प्रथम भारतीय महिला	प्रीतिसेन गुप्ता
नौका द्वारा सम्पूर्ण विश्व का भ्रमण करने वाली प्रथम भारतीय महिला	उज्वला पाटिल
भारतीय राज्य की प्रथम महिला मुख्यमंत्री	श्रीमती सुचेता कृपलानी (उत्तर प्रदेश)
भारतीय राज्य की प्रथम महिला राज्यपाल	श्रीमती सरोजनी नायडू

- **भारत के प्रमुख खेल**

राष्ट्रमंडल खेल

- राष्ट्रमंडल खेल की कल्पना सन् 1891 में एक अंग्रेज "जे. एस्ले कपूर" ने की थी।
- राष्ट्रमंडल खेलों की शुरुआत 1930ई. में हेमिल्टन(बरमूडा) में हुई थी।
- राष्ट्रमंडल खेल का नाम ब्रिटिश साम्राज्य तथा सन् 1954 राष्ट्रमंडल खेल रखा गया ।
- सन् 1908 के ओलम्पिक के बाद रिचर्ड कूम्बस नामक ऑस्ट्रेलियाई नागरिक के द्वारा उसके सुझाव को मंजूरी दे दी गई ।
- 1934ई. में लंदन में होने वाले दूसरे राष्ट्रमंडल खेल में भारत ने पहली बार भाग लिया था ।
- राष्ट्रमंडल खेल प्रत्येक चार वर्षों पर दो ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेलों के बीच में होता है ।
- राष्ट्रमंडल खेल कभी भी लगातार एक ही देश में नहीं होते हैं ।
- राष्ट्रमंडल खेल में राष्ट्रमंडल के सदस्य देशों की टीम में भाग ले सकते हैं।

एशियाई खेल

- सन् 1947 में नई दिल्ली में एशियाई देशों के सम्मलेन में एशियाई देशों की अन्तर्राष्ट्रीय खेलों की स्पर्द्धा हर चार वर्ष पर आयोजित करने की योजना बनायी गई।
- प्रो. जी.डी. सोंढी को इस प्रस्ताव का श्रेय जाता है, जिनका उद्देश्य खेलों के माध्यम से एशियाई देशों को एक-साथ करना था।
- एशियाई खेल संघ ने चमकते सूर्य को अपना प्रतीक चिह्न घोषित किया ।
- पहले एशियाई खेलों की प्रतियोगिता का उद्घाटन 4 मार्च, 1951 को नई दिल्ली में हुआ था ।

क्रिकेट

- क्रिकेट खेल की उत्पत्ति दक्षिण-पूर्वी इंग्लैण्ड में हुई मानी जाती है ।
- इंग्लैण्ड मेलबर्न क्रिकेट क्लब की स्थापना 1787 ई. में हुई ।
- भारत में कलकत्ता क्रिकेट क्लब की स्थापना 1792 ई. में हुई ।
- इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की स्थापना इम्पीरियल कॉन्फ्रेंस के रूप में 1909 ई. में हुई थी, जिसे बाद में इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस नाम दिया गया ।
- खिलाड़ियों की संख्या 11 होती है ।

- **राष्ट्रीय खेल**- 1. इंग्लैण्ड , 2. ऑस्ट्रेलिया ।
- **माप**- 1. बॉल- 155.9 ग्राम से 163 ग्राम,
- बल्ला- लम्बाई 96.5 सेमी. , चौड़ाई अधिकतम 10.8 सेमी. ,

2. पिच- 20.12 मीटर

विश्व कप क्रिकेट-

क्र. सं.	वर्ष	मेजबान देश	विजेता	उपविजेता
1.	1975	इंग्लैण्ड	वेस्टइंडीज	ऑस्ट्रेलिया
2.	1979	इंग्लैण्ड	वेस्टइंडीज	इंग्लैण्ड
3.	1983	इंग्लैण्ड	भारत	वेस्टइंडीज
4.	1987	भारत-पाकिस्तान	ऑस्ट्रेलिया	इंग्लैण्ड
5.	1992	ऑस्ट्रेलिया-न्यूजीलैण्ड	पाकिस्तान	इंग्लैण्ड
6.	1996	भारत-पाकिस्तान-श्रीलंका	श्रीलंका	ऑस्ट्रेलिया

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम देखने के लिए क्लिक करें -

RAS PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=1253s

Rajasthan CET (Graduation)-2023 - https://youtu.be/gPqDNlc6UR0

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=2s

PTI 3rd grade - https://www.youtube.com/watch?v=iA_MemKKgEk&t=5s

SSC GD - 2021 - https://youtu.be/2gzzfJyt6vI

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 प्रश्न आये
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)

FREE SAMPLE

RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)
Rajasthan CET Gradu. Level	07 Janu.2023(1st shift)	96 (150 में से)

& Many More Exams like UPSC, SSC, Bank Etc.

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

नोट्स खरीदने के लिए इन लिंक पर क्लिक करें

Whatsapp – https://wa.link/8iegud

Online order – https://cutt.ly/k9rmKMz

Call करें 9887809083